



हर रिश्ते का रखे ख्याल...

मशीन में भी धुलाई का वही कमाल



पेश है
ओसवाल लिक्विड डिटर्जेंट
और ओसवाल डिटर्जेंट पाउडर

- धुलाई में कम पानी और कम मेहनत
- कपड़ों की चमक और रंग बरकरार
- ज़िद्दी दागों पर भी असरकारक
- कोई हानिकारक केमिकल नहीं
- हाथों को मुलायम रखे
- घुलने में आसान



ओसवाल सोप ग्रुप



अधिक जानकारी के लिए

+91 91161 71956, 96802 01956 पर कॉल करें

विपणन :
उत्तम चंद देसराज

अब घर बैठे मँगवाएं ओसवाल उत्पाद



OswalSoap.com पर जाएं या
स्केन करें और ओसवाल एप डाउनलोड करें



ओसवाल सोप ग्रुप



हर रिश्ते का रखे ख्याल...

6 करोड़ परिवारों का विश्वास

जब अपने घर का हो सवाल, तो सिर्फ ओसवाल

क्वालिटी प्रोडक्ट्स की विशाल श्रृंखला



डिशवॉश टब



व्हाइट सोप



वॉशिंग पाउडर



डिटर्जेंट पाउडर



नहाने का साबुन



ग्लिसरिन बाथ सोप



लिक्विड हैंड वॉश



लिक्विड डिशवॉश



डिटर्जेंट लिक्विड



टॉयलेट क्लीनर



ग्लास क्लीनर



फ्लोर क्लीनर



चाय पत्ती



इस्ट चाय



देसी खांड



बासमती चावल



पोहा



हल्दी पाउडर



मिर्च पाउडर



धनिया पाउडर



जीरा



सैंधा नमक



काला नमक



कच्ची घानी तेल



रिफाइंड सोयाबीन तेल



रिफाइंड सोयाबीन तेल पाउच



मूंगफली तेल



अगरबत्ती



घास की झाड़ू



चना दाल



मूंग दाल



हरी मूंग दाल



काबुली चना



तूरर दाल



उड़द धुली दाल

ओसवाल रिटेल शॉप्स की जानकारी के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें



Follow us on :



OswalSoap.com

अधिक जानकारी के लिए

+91 9116171956, 9680201956 पर कॉल करें

Marketed by Uttam Chand Desraj



स्कैन करें और ओसवाल के उत्पाद खरीदें।



अब घर बैठे मँगवाएं ओसवाल उत्पाद

विचार बिन्दु

मानव जीवन धूल की तरह है, रो-धोकर हम इसे कीचड़ बना देते हैं। -बकुल वैद्य

कैसा मेरा देश है, जिसकी न अपनी भाषा है और न संस्कृति के अनुरूप उसका नाम इण्डिया, न वेबसाइट इण्डिया सरकार भारत ही है।

गांधी का सूत्र वाक्य था, "कोई भी देश सच्चे अर्थों में तब तक स्वतंत्र नहीं है जब तक वह अपनी भाषा में नहीं बोलता।" यदि भारत को एक राष्ट्र बनाना है तो चाहे कोई माने न माने, राष्ट्रभाषा तो हिन्दी ही बनेगी। संभवतः इसी से प्रेरणा प्राप्त कर संविधान के अनुच्छेद 343 में यह घोषणा की गई कि राजभाषा हिन्दी होगी। रविन्द्रनाथ टैगोर के विचार के अनुसार किसी भी अन्य देश की विदेशी भाषा के माध्यम से शिक्षा प्रदान नहीं की जावे। अनुच्छेद 343 में राज भाषा शब्दावली का उल्लेख राष्ट्र भाषा के संदर्भ में किया गया है। संविधान में देश को राज्य कहकर पुकारा गया है अतः राष्ट्र भाषा न कहकर हिन्दी को राजभाषा कहा गया है। राष्ट्र शब्द का प्रयोग अनुच्छेद 51क में किया है जो 42वें संविधान संशोधन अधिनियम 1976 से लाया गया है। इसके अतिरिक्त संविधान में प्रेसीडेन्ट ऑफ इण्डिया को राष्ट्रपति कहा गया है। अनुच्छेद 51क में राष्ट्र शब्द व राष्ट्रपति का उल्लेख है।

आश्चर्य है पशु-पक्षी तो राष्ट्रीय घोषित किये गये हैं, किन्तु अंग्रेजी जो विदेशी भाषा है राष्ट्र भाषा हिन्दी के स्थान पर, सिंहासन पर बैठी है और देश का नाम इण्डिया उसकी संस्कृति के अनुरूप नहीं है। राष्ट्र भाषा के बिना हमारा देश आज गूंगा है। संविधान के अनुच्छेद 343 में यह कहा गया है कि "संघ की राजभाषा हिन्दी होगी और अनुच्छेद 120 में यह उल्लेख किया है कि अनुच्छेद 348 के उपबंधों के अधीन रहते हुये संसद के कार्य हिन्दी या अंग्रेजी में किये जावेंगे तथा जब तक विधि द्वारा अन्यथा प्रबंध न करें जब तक इस संविधान के प्रारम्भ से 15 वर्ष की अवधि की समाप्ति के पश्चात यह अनुच्छेद ऐसे प्रभावी होगा मानो कि 'या अंग्रेजी में' शब्दों का उसमें से लोप कर दिया गया है। सूक्ति विधि द्वारा अन्यथा उपबंध नहीं किया है अतः 15 वर्ष की अवधि की समाप्ति के पश्चात यह अनुच्छेद ऐसे प्रभावी होगा मानो कि 'या अंग्रेजी में' शब्दों का लोप कर दिया गया हो।

अनुच्छेद 210 में यही व्यवस्था राज्य की असेम्बली के संबंध में है। प्रत्येक देश की अपनी भाषा होती है। भाषाओं पर और राष्ट्र भाषा पर गर्व होना चाहिये किन्तु अंग्रेजी हमारे देश की भाषा या बोली नहीं है, यह तो यू.के. की (अंग्रेजों) की भाषा है। हमारी भाषाये तो वे हैं जिनका उल्लेख संविधान की आठवीं सूची में है। ये 22 हैं, जन्म से बोली जाने वाली हैं। इन्हीं में राज्यों में बोली जाने वाली भाषाएँ हैं, जिसे राज्य के भाषायी अधिनियम द्वारा प्रत्येक राज्य ने स्वीकार किया है। यह दुर्भाग्य की बात है अंग्रेजी मातृ भाषा नहीं है वह फिर भी राष्ट्र भाषा की गद्दी पर बैठी है। जबकि संविधान के अनुसार 26.1.1965 से हिन्दी राज भाषा हो चुकी है।

देश की शिक्षा नीति है और देश के विद्वानों ने, सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ए.जी. रमना ने तथा देश के प्राइम मिनिस्टर मोदी ने एक आयोजन में कुछ दिन पूर्व ही कहा था कि हमें अदालतों में स्थानीय भाषाओं को प्रोत्साहन देना चाहिए, इससे सामान्य जन का न्याय की प्रणाली के प्रति विश्वास बढ़ेगा। शिक्षा नीति पर भी यही विचार विद्वानों से अभिव्यक्त किये हैं कि शिक्षा अपनी भाषा ही में दी जानी चाहिए। जबकि सरकार स्वयं इसके विपरीत कार्य कर रही है। देश में अंग्रेजी स्कूलों की बाढ़ आ रही है। छत्तीसगढ़ के दुष्प्रयत्नों ने अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोलने को कानिफ़ाकी कदम बढ़ा है। यही राजस्थान के बावत कहा जा सकता है। लोगों में केज है कि बच्चों को अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में भर्ती कराया जावे। देश को इस पर ध्यान देना होगा। अंग्रेजी पढ़ाओ, किन्तु हिन्दी को महत्वहीन न मानो। यह कदम सराहनीय है कि अंग्रेजी में हिन्दी अर्थात् दोनों माध्यम से शिक्षण संस्थानों के संचालन से लोगों को विकल्प चुनने का अवसर मिला है। 5 वर्ष की लॉ की डिग्री प्राप्त करने वाले एडवोकेट हिन्दी में एफ.आइ.आर. नहीं लिख सकते न हिन्दी में प्लॉडिंग्स ही सफलता के साथ लिख सकते हैं। अमेरिका के शासकों का विचार है कि "यदि हमें भारत से 100 प्रतिशत व्यापार प्राप्त करना है तो हिन्दी सीखनी होगी, क्योंकि गावों में 80 प्रतिशत व्यापार है वहाँ के लोग अंग्रेजी नहीं जानते।" वहाँ 100 से अधिक यूनिवर्सिटीज में हिन्दी पढ़ाई जाती है।

यह भी एक दुर्भाग्य ही है कि संविधान में देश का नाम India, that is Bharat कहा गया है। जबकि India हमारी संस्कृति का शब्द नहीं है। पुराणों उपनिषदों आदि धार्मिक ग्रंथों के अनुसार देश का नाम ऋषभदेव के पुत्र भरत के नाम पर भारत है। यों भी भारत का अर्थ भा रत अर्थात् धर्म में लीन है। भा का अर्थ है धर्म और रत का अर्थ है लीन होना। इस संबंध में भारत सरकार के पास पदकप का नाम बदलने के हेतु एक पिटिशन प्रस्तुत की गई है। पिटिशन पूर्व में सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत की थी; न्यायालय ने यह मामला संसद के अधिकांश क्षेत्र का माना है और पिटिशनर ने संविधान संशोधन कर देश का नाम 'भारत' रखने की मांग की है। पिटिशनर ने कहा कि आक्सफोर्ड डिक्शनरी के अनुसार इण्डिया शब्द का अर्थ वह ट्राइड है जो बिना पढ़ी-लिखी तथा लुटपाट करने वाली है। वस्तुतः संविधान निमात्री सभा ने संविधान में हिन्दी को राजभाषा घोषित किया, किन्तु संविधान की मूल प्रति अंग्रेजी में लिखी गई और रूपान्तर हिन्दी में हुआ संविधान में India की कोई परिभाषा नहीं दी गई।

इस प्रकार हमारी संस्कृति पर सीधा प्रहार है। हमारी अपनी संस्कृति है, किन्तु अपनी भाषा नहीं है और न इण्डिया नाम ही अपना है। एक लोकतंत्र के लिये यह श्राप से कम नहीं है।

इन परिस्थितियों में दैनिक भास्कर दिनांक 15.05.2022 के अंक 145 के पृष्ठ 1 पर यह समाचार पढ़ा कि "अब इण्डिया सरकार भारत लिखकर सरकारी वेबसाइट सफ़ा करके"। हम सबको गर्व की अनुभूति हुई, यह समझ में आया कि सरकार की यह पहल सचमुच हिन्दी के लिये ऐतिहासिक होगी। दैनिक भास्कर के अनुसार इसका अर्थ होगा सरकार के "तमाम विभागों, मंत्रालय संघटनों की अंग्रेजी वेबसाइट का हिन्दी स्वरूप भारत के अपने हिन्दी डॉमेन से चलाने का निर्णय लिया गया है। यानी अब वेबसाइट का नाम अंग्रेजी में नहीं बल्कि हिन्दी में ही दर्ज होगा और देश की 80 प्रतिशत हिन्दी भाषी आबादी अपनी मातृभाषा में वेबसाइट के यूआरएल दर्ज कर सरकारी महकमों की जानकारी ले सकेगी"।

सरकार की उक्त पहल सराहनीय है और यह विश्वास के साथ कहा जा सकता है, हिन्दी को इससे ऊर्जा प्राप्त होगी। राष्ट्र भाषा के महत्व को लोग समझेंगे। राजभाषा के संबंध में जो विवाद व गम्भीर चर्चाएँ संविधान निमात्री समिति में हुई थीं, उस विषय पर गोपाल स्वामी आयरगर के शब्दों में इस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है:-

"हम सबने जो अन्तिम निर्णय लिया है वह है कि हमने हिन्दी को राजभाषा के रूप में अंगीकार किया। हम जब कोई लक्ष्य प्राप्त करते हैं तो हमें अंग्रेजी को जिसे हमने अपनाया था, उसे विदाई देनी होगी। हिन्दी को अंग्रेजी के स्थान पर अंगीकार करने का कार्य हमने किया है। हमें कुछ वर्षों तक अंग्रेजी का प्रयोग चालू रखना होगा, समय बाद हिन्दी पूर्ण रूप से उसका स्थान ले लेगी।"

संसद की एक कमेटी ने राजभाषा विधेयक अधिनियम, 1963 के तहत बनाई गई थी, कमेटी ने 114 सिफारिशें राष्ट्रपति को प्रस्तुत की थीं किन्तु पालना मंत्रियों ने ही नहीं की।

किसी भी लोकतंत्र के लिये यह शर्म की बात है कि उस देश की राष्ट्रभाषा, वहाँ की मातृ भाषा ही न हो और अन्य देश की भाषा देश की राजभाषा हो। सभी देश अपनी देश की भाषा में बोलते हैं और शासन करते हैं, केवल भारत ही एक मात्र देश है जहाँ राजभाषा देश की मातृभाषा न होकर, अन्य देश की भाषा है। प्रत्येक राज्य में वहाँ की राजभाषा में जिसे राजभाषा अधिनियम द्वारा घोषित किया है राज्य का कामकाज हो रहा है। राज्य की भाषा से हिन्दी की कोई तकरार नहीं है। संसद से अपेक्षा है कि संसद संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा संविधान के अनुच्छेद 1 में संशोधन कर देश का नाम भारत, अनुच्छेद 343 में संशोधन कर यह लिखा जावे कि राजभाषा (राष्ट्र भाषा) हिन्दी है तथा वेबसाइट का नाम भारत की संस्कृति के अनुरूप हो। भारत का संविधान के अनुच्छेद 366 के क्रम नं 0 15 में 'देशी राज्य' व 'इण्डिया' को उपरोक्त संशोधन के अनुरूप संशोधित कर परिभाषित करें।

'जय भारत', 'जय हिन्दी'।

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द्र जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

उदयपुर का राजकीय विश्वविद्यालय, कुलपतियों के लिए श्रापित

आजादी के समय तक राजस्थान में कोई विश्वविद्यालय नहीं था अपितु कुछ राजकीय महाविद्यालय थे लेकिन उनकी सम्बन्धता आगरा यूनिवर्सिटी से थी और परीक्षाएँ भी आगरा विश्वविद्यालय ही करवाता था तथा डिग्री भी आगरा विश्वविद्यालय से प्रदान होती थी। जयपुर में पहला विश्वविद्यालय खुला, उसके विकास की दास्तान भी अजीब है मोहन सिंह जी मेहता ने उसे कैसे सरकार से कम समर्थन मिलने पर भी विश्वविद्यालय का पूरा ढांचा खड़ा कर दिया।

उदयपुर में 1962 में प्रदेश का पहला और देश का दूसरा कृषि विश्वविद्यालय स्थापित हुआ लेकिन कतिपय नेताओं के दबाव स्वयं उसे बहुसंकायी बनाकर उदयपुर विश्व विद्यालय नाम दिया गया। डॉ. जी.एस. महाजनी कुलपति नियुक्त हुए, उनसे पहले संभवतः डॉ. जी. हूजा कुलपति बने थे।

बीकानेर का पशु चिकित्सा और जोबनेर कैम्पस दोनों उदयपुर यूनिवर्सिटी के संघटक कैम्पस थे। कुलपति डॉ. महाजनी एक अनुभवी, योग्य विनम्र स्वभाव वाले व्यक्ति थे, वे अपनी निजी कार से ही ऑफिस आते जाते थे और मने सुना था कि वे एक रूपया तनखाह लेते थे। उनके संपर्क में अनेक बार आया, सपोर्टिवेट स्टफ टिचर को वे अपनी कुर्सी से उठकर स्वागत करते। ऐसे कुशल व्यक्ति को भी उदयपुर के लोगों ने आरोपों की झड़ी लगाकर परेशान किया और उनके कार्यकाल में घटित दोषों पर एक यल्लो बुलेटिन प्रकाशित किया। वे 1971 में यहाँ से चले गए, महाराष्ट्रियन थे। उनके बाद श्री तत्पत्तसिंह सिंह भंडारी कुलपति बने मेरे विचार से वे प्रशासनिक वर्ग से थे।

कुछ ही समय पश्चात् डॉ. पृथ्वी सिंह लम्बा कुलपति नियुक्त हुए। डॉ. लम्बा अनुशासन और कार्य संगठन में बड़े निपुण थे। डॉ. लाम्बा भी लोगों को नहीं

भाये और कुछ लोगों ने उनके विरुद्ध मोर्चा खोल दिया, जिसमें निदेशक अनुसन्धान भी लिप्त हो गए। बाद में डॉ. लम्बा ने उन्हे सेवा से बर्खास्त कर दिया। छात्रों के एक वर्ग ने कुलपति के विरुद्ध आंदोलन किया और एक रात कुछ छात्र नेताओं ने उनके निवास में घुस कर उनसे मारपीट तक कर दी।

सरकार ने कुलपति को जयपुर बुलाया और त्यागपत्र देने की सलाह दी इस पर डॉ. लम्बा ने कहा कि मेरे बाकी बचे समय की सभी देनदारियाँ मुझे दे दें। सरकार ने उनकी शर्त मान ली उन्हे बाकी समय का धन दे दिया वे त्यागपत्र देकर चले गए। राज्य सरकार ने उनके विरुद्ध एच. डी. सिंह कमीशन (सेवानिवृत्त अल्लाहाबाद हाई कोर्ट जज) के अध्यक्षता में जांच आयोग बिठा दिया। वे दो वर्ष तक कुलपति का कार्य करते रहे। जांच आयोग की रिपोर्ट किताब रूप में दो वॉल्यूम में छापी गयी।

तदउपरान्त, उत्तर प्रदेश के एक उच्च कोर्ट के वैज्ञानिक व तत्कालीन मंत्री ऑफ लोजिस्टिक्स असेंबली डॉ. राज थ सिंह उदयपुर में कुलपति नियुक्त किये गए उन्होंने इस पद के लिए किसी से निवेदन नहीं किया था अपितु चंद्र शेखर और भैरों सिंह शेखावत को वे एक समारोह में मिले थे, बातचीत में भैरों सिंह शेखावत उनकी शैली व व्यवहार से बहुत प्रभावित हुए और उन्हे उदयपुर में कुलपति पद देने की पेशकश की, जिसे उन्होंने उन दोनों से प्रभावित होकर स्वीकार कर लिया और नियुक्ति आदेश मिलने पर उदयपुर आ गए। मैं उस समय जोबनेर में कार्यरत था, उनके आने की सूचना मिलने पर मैं उनसे मिलने जयपुर हवाईअड्डा पहुंच गया। मैं उन्हे पहले से ही जानता था क्योंकि वे डेयरी माइक्रोबायोलॉजी में पी. एच.डी धारक थे और प्रदेश सरकार में कई पदों पर सेवा के बाद वाराणसी में उदय प्रताप कॉलेज में वर्षों प्रिंसिपल रहे। उदयपुर में ज्वाइन करने के बाद कुछ राजनैतिक लोग



प्रो. डॉ. वीर बहादुर सिंह

किसी किताब के विमोचन को लेकर उनके पीछे पड़ गए वे सुप्रीम कोर्ट चले गए सरकार ने वहाँ अपनी हार होते देख डॉ. कुरुप को उन्हे मनाने और त्यागपत्र देने को राजी कर लिया, जिसको उन्होंने बेमन से स्वीकार कर लिया और वे त्यागपत्र देकर चले गए। तत्कालीन सरकार ने अपनी जैदे-तैसे इज्जत बना ली लेकिन एक उच्च स्तर के डेयरी विज्ञानी और शिक्षाविद से यूनिवर्सिटी को हाथ धोना पड़ा। तत्पश्चात प्रदेश के कृषि विभाग के निदेशक डॉ. रणवीर सिंह को कुलपति का भार सौंप दिया।

डॉ. तलवार के उपरांत प्रशासनिक अधिकारी श्री पी.एन. भंडारी और फिर नरेंद्र सिंह सोसोदिया को कुलपति बनाया। इन दोनों के कार्य काल में कोई महत्वपूर्ण घटना नहीं घटी।

वर्ष 1985 के दूसरे छ: मास में डॉ. के.एन. नाग को उदयपुर में कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता के कुलपति नियुक्त हुए। डॉ. नाग एक कुशल कार्यशील व्यक्ति थे। सरकार ने उन्हे वर्ष 1987 बीकानेर कृषि विश्व विद्यालय की स्थापना कर वहाँ का कुलपति नियुक्त कर दिया। कार्य करते उन्होंने भी कई बड़े अनुभवी अधिकारियों से दूरी बना कर कार्य करना शुरू किया, जिसका विरोध बहुत हुआ और प्रदेश के लगभग 13-14

लेजिस्लेटों ने सरकार को एक विस्तृत मेमोरंडम प्रस्तुत किया, जिसके फल स्वरूप डॉ. नाग को हटना पड़ा और कुलपति का कार्य डॉ. सक्सेना मुदा विज्ञानी को सौंप दिया। इस प्रकार समय से पूर्व डॉ. नाग को सरकार द्वारा घर भेज दिया गया। उदयपुर के परिसर को विकसित करने का श्रेय डॉ. नाग को ही जाता है।

डॉ. नाग उपरांत पूर्णकालिक कुलपति बड़े फैन फेयर के साथ डॉ. हरजान सिंह जो कृषि विश्वविद्यालय में पहले निदेशक अनुसन्धान थे कुलपति नाग से नाराज होकर जम्मू कश्मीर चले गए थे, को पूर्ण कालिक कुलपति नियुक्त कर दिया। डॉ. सिंह एक कर्मठ, ईमानदार और एग्रीनोमी के विशेषज्ञ थे परन्तु अपनी हठधर्मिता के कारण उन्हे भी आरोप लगा कर पदमुक्त कर दिया। सर्वोच्च न्यायालय जाते हुए उन्हे दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई उनके विरुद्ध भी मंगल बिहारी जॉर्ज आयोग ने जांच रिपोर्ट में उनके विरुद्ध सभी आरोप बेबुनियाद और गलत पाए। उनके बाद बीकानेर में दो प्रशासनिक अधिकारी हल्दीया और राकेश हूजा कुलपति पद का कार्य करते रहे। जब तक कि डॉ. पटेल (करनाल से) से कुलपति नियुक्त होकर नहीं आ गए लगभग 3 वर्ष से अधिक समय तक डॉ. पटेल कुलपति रहे उनके बाद नियुक्त हुए डॉ. खगेश्वर प्रधान जो एक विख्यात पशु पोषण विज्ञ थे डॉ. प्रधान के विरुद्ध भी विश्वविद्यालय के ही अफसरों ने वित्तीय घोटालों की रिपोर्ट सरकार को कर दी फलस्वरूप एक साफ़ खंबि वाला निष्ठावान व्यक्ति भी विश्व विद्यालय अफसरों की व्यूह रचना का शिकार होकर पद छोड़ गया, वे धुवनेश्वर के रहने वाले थे।

तत्पश्चात वर्ष 1999 नवंबर में महाराणा प्रताप कृषि विश्व विद्यालय की स्थापना हो गयी, यहाँ भी एक-दो कुलपतियों को छोड़कर सभी भ्रष्ट कृत्यों के लिए आरोपित हुये जिनके राजनैतिक

सम्बन्ध सुदृढ़ थे वे बच निकले। अभी वर्तमान कुलपति डॉ. नरेन्द्रसिंह राठौर का कार्यकाल पूरा नहीं हुआ है लेकिन विरोध चालू हो चुका है। विरोध की सीमा ऐसी कि प्रबंध मंडल के सरकार द्वारा नामित सदस्य को कुछ मुद्दों को लेकर भूख हड़ताल जैसे क्रदमों को उठाना पड़ा। क्या सरकार में कोई अफसर उनसे बात कर स्थिति को संभालने में मदद नहीं कर सकता था? मेरी समझ से मुझे भी ऐसे नहीं है जिन पर कुलपति अथवा सरकार आशवासन नहीं दे सकती? संभवतः विरोध अभी चालू है, परणिति क्या होती है समय बताएगा? लेकिन सम्पूर्ण दोष राज्य सरकार है कि जिसके तीन पदेन सदस्य सेक्रेटरी स्तर के हैं। वे कभी भी प्रबंध मंडल की मीटिंग में नहीं आते फिर उन्हे प्रबंध मंडल में पदेन सदस्य रखने का क्या तात्पर्य? मैं स्वयं प्रबंध मंडल का सदस्य रहा हूँ और मेरा यह निश्चित मत है कि सदस्यों से रिपोर्ट मिलने पर भी सरकार कोई हस्तक्षेप नहीं करती चाहे स्थित कितनी ही विकराल हो। ऐसे विश्व विद्यालय कुलपति कैसे चलाएंगे?

उदयपुर के ही सुखाड़ीया विश्वविद्यालय के कुलपति भी आरोपों के घेरे में आ चुके हैं। केरल राज्य के राज्यपाल श्री आरिफ मोहमद खान को भी आश्चर्य व्यक्त करना पड़ा कि कुलपति की नियुक्ति में करोड़ों रुपयों की रिश्वत ली जाती है? क्या सच और क्या गलत? विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षा बर्बादी के कारण पर पहुंच चुकी है। उस पर राजस्थान सरकार कुलपति नियुक्ति मामले में राज्यपाल की भूमिका को संभवतः नगण्य करना चाहती है? फिर सरकारी स्तर पर वरिष्ठा की भूमिका कौन निभाएगा? अभी ये साफ़ नहीं है कि राज्यपाल कुलपति भी रहे? अथवा नहीं? मुद्दा गंभीर व विचारणीय है।

- प्रो. डॉ. वीर बहादुर सिंह,
पूर्व कुलपति प्रताप कृषि एवं
प्रायोगिकी विधि, उदयपुर

बाल श्रम उन्मूलन के लिये डरबन में आयोजित सम्मेलन में थानागाजी की तारा बंजारा ने शिरकत की

सम्मेलन में वैश्विक समुदाय को दिलाया बाल श्रम एवं बाल शोषण के खात्मे का संकल्प

थानागाजी, (निर्स)। दुनिया से बाल श्रम उन्मूलन के लिए डरबन दक्षिण अफ्रीका में अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) द्वारा 5वें सम्मेलन का आगाज किया गया। जिसमें राजस्थान अलवर जिले के थानागाजी उपखंड क्षेत्र के छोटी सी बंजारा बस्ती निमडडी से पूर्व में बाल मजदूर रह चुकी नोबेलिक बंजारा समुदाय की लाडो तारा बंजारा ने नोबेल शान्ति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के साथ कार्यक्रम में भाग लिया।

इस अवसर पर तारा बंजारा ने अपने जैसे बच्चों की बाल श्रम, चाइल्ड ट्रेफिकिंग, बाल यौन शोषण से सुरक्षा की मांग करते हुए कार्यक्रम में वैश्विक समुदाय के प्रतिभागियों को संकल्प दिलाया कि कोई भी बच्चा बाल श्रम, चाइल्ड ट्रेफिकिंग व बाल शोषण का शिकार ना हो।

इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए तारा बंजारा ने



बंजारा समुदाय की लाडो तारा बंजारा ने नोबेल शान्ति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के साथ कार्यक्रम में भाग लिया।

कहा कि आज हम हर बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा मुहैया कराने की जिम्मेदारी एवं जवाबदेही का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि दुनियाभर की सरकारें बच्चों को अपने बेटे

■ राजस्थान से पूर्व बाल मजदूर अमरलाल, राजेश जाटव एवं तारा बंजारा ने कार्यक्रम में भाग लिया

का हिस्सा नहीं मानकर बच्चों को सुरक्षा मुहैया कराने का कोई प्रयास नहीं करते हैं। तारा ने अपनी बस्ती सहित आस-पास से 22 बच्चों को बाल श्रम से मुक्त करवाकर स्कूल में दाखिला करवाया तथा

तारा लगातार बाल आश्रम संस्थापिका सुमेधा कैलाश के मार्गदर्शन में बाल विवाह एवं अशिक्षा के कलंक को मिटाने के लिए संघर्ष कर रही है।

तारा अपनी समुदाय एवं बालिकाओं के लिए अपने आप एक मिसाल बन गई है। तारा बंजारा बस्ती की पहली युवा लडकी हैं जो स्कूली शिक्षा पूरी कर कोलेज में दाखिला लेकर अपनी उच्च शिक्षा की पढ़ाई करने में जुटी हुई है तथा तारा पुलिस सेवा में जाने का सपना पूरा करने के लिए मेहनत कर रही है।

डरबन दक्षिणी अफ्रीका में आयोजित बाल श्रम उन्मूलन सम्मेलन में राजस्थान से पूर्व बाल मजदूर अमरलाल, राजेश जाटव एवं तारा बंजारा ने कार्यक्रम में भाग लिया।

पेयजल समस्या से त्रस्त वार्ड संख्या 10 के लोगों ने मटके फोड़ जताया आक्रोश

अजमेर, (कांस)। नगर निगम के वार्ड संख्या 10 रावत नगर भाटी की डांग में पेयजल समस्या से त्रस्त वार्डवासी महिलाओं ने गुरुवार को भीषण गर्मी के बीच मटका फोड़ कर जल दाय विभाग के अधिकारियों के खिलाफ आक्रोश जाते हुए प्रदर्शन किया और समस्या के जल्द समाधान की मांग की। समस्या का समाधान नहीं होने पर जल दाय विभाग और जिला कलेक्ट्रेट पर धरना प्रदर्शन की चेतावनी भी दी।

नगर निगम के वार्ड संख्या 10 स्थित रावत नगर भाटी के डांग वार्डवासी महिलाओं ने गुरुवार को क्षेत्र में पर्याप्त

हुई है। इससे पहले भी कई बार अधिकारियों को अवगत करवाया गया है। लेकिन उनकी समस्या का आज तक हल नहीं हुआ। जबकि इन दिनों अजमेर में भीषण गर्मी पड़ रही है, जिसके कारण पानी की समस्या विकराल रूप ले रही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में पानी सहित अन्य समस्याओं को लेकर न तो विधायक और न ही पार्षद अधिक ध्यान दे रहा। कई बार जलदाय अधिकारियों को भी समस्या से अवगत करवाया गया लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही। लोगों ने चेतावनी दी कि आज तो मटकी फोड़ कर विरोध प्रदर्शित किया गया है।

इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए तारा बंजारा ने



आक्रोशित वार्डवासियों ने जलदाय विभाग के कार्मिकों के खिलाफ मटका फोड़ प्रदर्शन किया।



राशिफल

शुक्रवार 20 मई, 2022

ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत् 2079, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र रात्रि 1:18 तक, शुभ योग दिन 11:24 तक, कोलव करण प्रातः 6:57 तक, चन्द्रमा प्रातः 8:45 से मकर राशि में प्रवेश करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मीन, बुध-वृष, गुरु-मीन, शुक-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मेघ, केतु-तुला राशि में।

कुमार योग रात्रि 1:18 से सूर्योदय तक और सर्वाथ सिद्धि योग और रवियोग रात्रि 1:18 से आरम्भ होगा। आज विवाह मुहूर्त उत्तराषाढा में है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:21 तक, लाघ-अमृत 7:21 से 10:43 तक, शुभ 12:23 से 2:04 तक, चर 5:25 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:41, सूर्यास्त 7:06

ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत् 2079, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र रात्रि 1:18 तक, शुभ योग दिन 11:24 तक, कोलव करण प्रातः 6:57 तक, चन्द्रमा प्रातः 8:45 से मकर राशि में प्रवेश करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मीन, बुध-वृष, गुरु-मीन, शुक-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मेघ, केतु-तुला राशि में।

कुमार योग रात्रि 1:18 से सूर्योदय तक और सर्वाथ सिद्धि योग और रवियोग रात्रि 1:18 से आरम्भ होगा। आज विवाह मुहूर्त उत्तराषाढा में है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:21 तक, लाघ-अमृत 7:21 से 10:43 तक, शुभ 12:23 से 2:04 तक, चर 5:25 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:41, सूर्यास्त 7:06

मेघ
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेगे। आय में वृद्धि होगी। धार्मिक-सामाजिक कार्यों में धन खर्च हो सकता है।

तुला
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटक हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा।

वृष
परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। पारिवारिक कार्यों व्यस्तता बनी रहेगी। अतिथियों का आगमन रहेगा। व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बतने कार्य विगड़ने का भय बना रहेगा। आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

धनु
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बने लगेगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी।

कर्क
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा।

सिंह
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। दिनचर्या में सुधार होगा। विवाहित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा।

कुंभ
घर-परिवार के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

मकर
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव दूर होगा। मन:स्थिति में सुधार होगा।

मीन
व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटक हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल होगी।

#ART EXHIBITION

Inspired By Her

Evocative portraits of 22 powerful Indian women like Gita Gopinath, Nita Ambani, Kiran Mazumdar Shaw, Roshni Nadar Malhotra, Natasha Poonawalla, Vandana Luthra painted by Ashok Shah are on display till 21 May at the 'Inspired by Her' Art Exhibition in WelcomArt Gallery of ITC Rajputana



With the objective of motivating young girls and women to work hard and strive for success, Ashok Shah, who is a renowned jeweller by profession, painted evocative portraits of as many as 22 exceptional Indian women during the Covid-19 pandemic. These acrylic paintings are now being exhibited at the WelcomArt Gallery of ITC Rajputana till May 21.

Motivating Young Women Through Art
On being asked what got his interest in creating portraits, Shah says: "When I was a child, I used to make pencil sketches but never paintings. My first painting was of my wife after she passed away in 2009. During the Covid-19 pandemic, I start-



Art always has room for improvement
Even though Shah has no formal training in art, his area of work (earlier carpets and now jewellery) has been such that he has an eye for aesthetics, design and colour. To make one portrait, the artist takes around a week where he paints for 6-7 hours daily. However, refining the work is an ongoing process that never really ends. "After making a portrait, I keep it in my bedroom and every time I look at it, I can see some room for improvement," says Shah, for whom art translates as the constant urge to do better and serves as a perennial source of inspiration.

Future Plans
To fulfill his desire to inspire young women, the artist plans to take this exhibition to several colleges in the city. Later, he also plans to exhibit his work in Mumbai and invite the women whose portraits he has painted. "Though currently I am not working on a new series but I would love to paint portraits of top 20 women from Rajasthan who have made a name for themselves nationally as well as globally," tells Shah.

The exhibition was inaugurated by Rolee Agarwal, Commissioner of Income Tax Department, Rishi Mattu, General Manager of ITC Rajputana and Apra Kuchhal, Chairperson of We Care, on May 14. It will be on display till May 21.



Date: 15 May to 21 May
Time: 11 am to 6 pm
Venue: Welcom Art Gallery, ITC Rajputana



Looking For Wolves Met With Bees

It was only 10 in the morning yet it had become pretty hot. Continuous gypsy ride and walking through tough terrain coupled with almost no sleep last night had brought a kind of fatigue and tiredness. The rocky bed, still under shadow of the overhanging hill and trees lured us to stretch on for a while. Sharma, the warden was quite a smoker and he could not resist the temptation of enjoying a fag now. He lit the cigarette and exhaled a 'wow' emitting a bust of tobacco smoke in a stylish spiralled pattern. He had not finished his cigarette that I sensed a humming sound in the atmosphere. Shortly I viewed 2-3 honey bees fluttering close to us.



#WONDERFUL WILD

ponds, lakes, anicuts and aquifers. A seasonal river called Rupareil too had been serving as life line to a huge wild population foraging on its left and right banks. This seasonal river meandering through a large area flows only during rains but certain pockets in the river bed hold water, though shallow but almost throughout the year, proving to be a boon to wildlife here. We had pressed all the resources to fill the manmade water holes through pipe lines and water tanks where ever possible. As per the latest survey presently around 250+ water holes were alive in the entire reserve. Though it was a matter of great relief for us from the wild animals' welfare point of view but certainly from round the clock census point of view larger the number of the water holes tougher the exercise for the reserve management, as arranging at least 2 peoples' census team for every water hole was a tough task looking to the dearth of trained staff. We got few forest guard trainees from the Alwar based Forestry training institute, who were being trained by our research officer Chandni Ramani. Yet we were falling short of right kind of people required for this special purpose. I decided to engage people from outside especially wildlife enthusiasts. More than 20 people offered their services. Though sighting tiger/panther like major fauna was their chief interest but they lacked the endurance to withstand the hardships of this task. But beggars are not the choosers; thus necessity bound I selected half of these and trained them not mere-



ly to identify the animals but chiefly to stay safely on the machans, without disturbing the animals by vocalization and snoring during night. I coached them personally, after all they were going to be our ambassadors in public. Also partially I succeeded in my effort as many of these joined me in the next census as well.

Adventurous Exercises

Though most of the possibly safe masonry platforms and buildings located by the side of the water-holes were designated for such volunteers, yet several parties comprising these had to be accommodated on temporary hide outs, mostly made on trees using forked branches. Apparently participation in such exercises seems pretty adventurous but is highly cumbersome. The members of these census parties have to sit quietly and have to suffice with food and water provided to them once or twice in this 24 hours period. Unbearable heat was another factor. Safety of these volunteers was my prime concern especially against cunning panther which is an excellent climber. There had been instances when some of these less experienced volunteers fell down from their machans during storms. One may visualize dropping of any such volunteer during night hours from the machan and finding a tiger or panther sitting next to them. How adventurous but horrifying it may be?



Among these volunteers was Mr Kumavat, a middle aged, plump bodied person clad in white shirt and pyjama. He was a teacher in a primary school at Dausa but by appearance looked more like some small kirana store merchant. He could be good enough for humans census but seemed totally unfit for the wildlife census. So justly he was dropped in the first interaction but on his insistence I placed him at a hideout made on a comfortable masonry structure, a remnant of an abandoned forest outpost close to Madhgarh village located on the bank of the Rupareil River. The State Highway No 13, joining Alwar to Jaipur passes through Madhgarh and thus being a disturbed point probability of large cats' visits was negligible here. Also a forest guard was put with him. He was not happy as he desired his placement at points like Kalighati and Slopha having highest probability of tiger sightings. But I could not agree to his demand and consequently he had to move to Madhgarh with a wary face.

The census was scheduled for 24 hours from 4 pm today so accordingly all the parties were transported to the designated machans. As usual about 4.30 pm, I too started in my

The semi dry stream was about 40 feet wide. There was a bagichi (small garden like common place) on the other side of the stream where a seer used to live since long. Sensing our trouble he came running to help us out of the situation. The bees had started returning, as if showing respect to the saint.

gypsy to check if the parties were properly placed? Meeting various parties of far flung areas like Slibert, Rotkyala, Sukola and Dahli at about 11 pm when I reached Tehla range headquarters, the range officer informed that the party sitting at Dabkan close to the Manasarovar Lake had reported sighting of a pack of wolves at the lake. It was unbelievable as wolf had never been reported in Sariska forests till date. I decided to meet this party to verify the facts but it could be possible only next day as I wished to complete my round, to ensure the census is going on properly.

Fascinating Rendezvous

Nothing unusual was found except what had been experienced in past years. At places forest guards were found absent, leaving their partners alone in the deep down jungles. At Bhagani I waited at one such point for an hour as the other member of this party was a student volunteer from Alwar and the hideout was made on a state time abandoned shikar howdy (tower). It was core tiger area and the tower was located on a hillock overlooking a perennial water stream called Tuda. The young lad seemed quite scared.



Nothing unusual was found except what had been experienced in past years. At places forest guards were found absent, leaving their partners alone in the deep down jungles. At Bhagani I waited at one such point for an hour as the other member of this party was a student volunteer from Alwar and the hideout was made on a state time abandoned shikar howdy (tower).

villagers but could find no dependable evidence. Checking the pug marks of wild animals including the suspected pack of wolves, I reached a rocky forest pocket by the side of a stream discharging into the Manasarovar Lake. With me were few field personnel and the honorary wildlife warden of Sariska, nominated by the state government, who had accompanied me on this trip.

It was only 10 am in the morning yet it had become pretty hot. Continuous gypsy ride and walking through the tough terrain coupled with almost no sleep last night had brought a kind of fatigue and tiredness. The rocky bed still under shadow of the over-hanging hill and trees lured us to stretch on for a while. Sharma, the warden was quite a smoker and he could not resist the temptation of enjoying a fag now. He lit the cigarette and exhaled a 'wow' emitting a bust of tobacco smoke in a stylish spiralled pattern. He had not finished his cigarette that I sensed a humming sound in the atmosphere. Shortly, I viewed 2-3 honey bees fluttering close to us. I was yet to make out the real purpose of the bees just than few more appeared on the scene with the humming sound rising multifold.

Unfolded Hidden Secrets
It was my sixth sense that shaking off lethargy with a quick jerk I stood back on the ground to check if everything was ok. And what I witnessed was something I could not wash off my mind for decades. There was a huge honey comb barely a foot away from our stretched hands. Sharma's one hand was almost touching the lower border of the comb. Instantly I shook him and yelled for the staff who were also resting few yards away from us and totally ignorant of this develop-

ment. Before Sharmaji could understand the situation we were all surrounded by several bees. The staff suggested entering the stream, expecting the bees to leave us. We ran for life, entering the stream but the bees did not leave their chase. To my bad luck they unanimously identified me as the main culprit and consequently attacked me in the brutal and snoring manner. I was wearing a jungle cap. Some bees entered it. I knew well that bees become ineffective in darkness but the sudden attack had soaked my wits and I committed the blunder of removing my cap to free the trapped bees. Instead of leaving me the freed bees attacked me ferociously.

I was running crossing the stream and the bees were chasing me. Sharmaji and the staff personnel all were running for their lives too. The semi dry stream was about 40 feet wide. There was a bagichi (small garden like common place) on the other side of the stream where a seer used to live since long. Sensing our trouble he came running to help us out of the situation. The bees had started returning, as if showing respect to the saint. Taking us to the shelter of his hut he pulled out all the stings from our body and then gave us a hot concoction made of ghee, black pepper and some other herbs. This first aid brought us enough relief to enable us to reach Sariska. The assistant field director had already brought a doctor from Thanagazi, who provided allopathic treatment as well.



Every census unfolded hidden secrets of nature to me and this too thrilled me with unique experiences full of adventure and excitement. Few more of such escapades I will try to share with the readers in the sequel to follow.

By Rick Kirkman & Jerry Scott

World Bee Day

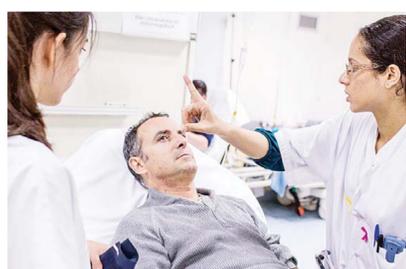
ately, the concerns about bees being endangered have become widely noted among people all over the world, but information on how to take action about it has become scarce in the age. That's why World Bee Day exists to educate people about the importance of bees and other pollinators for our ecosystem, and how they can help preserve them for the sake of the future.

#RESEARCH

Improving Stroke Recovery

By scanning the whole genomes of nearly 6,000 people who had experienced strokes, researchers identified two genes associated with recovery within the pivotal first 24 hours after stroke.

A new study has prompted scientists to reconsider a once-popular yet controversial idea in stroke research. The researchers believed that, in the aftermath of a stroke, calming overexcited neurons might prevent them from releasing a toxic molecule that can kill neurons already damaged by lack of oxygen. This idea was supported by studies in cells and animals, but it lost favour in the early 2000s after numerous clinical trials failed to improve outcomes for stroke patients.



But a fresh approach has yielded evidence that the idea may have been discarded too hastily. The new findings appear in the journal Brain. By scanning the whole genomes of nearly 6,000 people who had experienced strokes, researchers identified two genes associated with recovery within the pivotal first 24 hours after stroke. Events-good or bad-that occur in the first day set stroke patients on their courses toward long-term recovery.

Regulating Neuronal Excitability
Both genes turned out to be involved in regulating neuronal excitability, providing evidence that over stimulated neurons influence stroke outcomes. "There's been this lingering question about whether excitotoxicity really matters for stroke recovery in people," says co-senior author Jin-Moo Lee, profes-



sor and head of the neurology department at Washington University School of Medicine in St. Louis. "We can cure stroke in a mouse using blockers of excitotoxicity. But in humans we performed numerous clinical trials, and we couldn't move the needle. Every last one of them was negative."

In this study, out of 20,000 genes, the top two genetic hits point to mechanisms involving neuronal excitation. That's pretty remarkable. This is the first genetic evidence that shows excitotoxicity matters in people and not just in mice. "Every year nearly 800,000 people in the US have ischemic strokes, the most common kind of stroke. Ischemic strokes occur when a clot blocks a blood vessel and cuts off oxygen to part of the brain, triggering sudden numbness, weakness, confusion, difficulty speaking, or other symptoms. Over the next 24 hours, some people's symptoms continue to worsen while

others' stabilize or improve. The researchers focused on the brain of a stroke, calming overexcited neurons might prevent them from releasing a toxic molecule that can kill neurons already damaged by lack of oxygen. This idea was supported by studies in cells and animals, but it lost favour in the early 2000s after numerous clinical trials failed to improve outcomes for stroke patients.

Excitotoxicity in Stroke
In the 1990s, Dennis Choi, then head of the neurology department, performed ground-breaking research on excitotoxicity in stroke. He and others showed that stroke can cause neurons to release large amounts of glutamate, a molecule that transmits excitatory messages between neurons. Glutamate is constantly being released by neurons as part of the normal functioning of the nervous system, but too much all at once can be toxic. Efforts to translate this basic research into therapies for people did not pan out, and eventually pharmaceutical companies let their anti-excitotoxic drug development programs lapse. But Lee, who formerly worked on excitotoxicity with Choi, did not give up. He teamed up with genetics researcher and co-senior author Carlos Cruchaga, professor of neurology and a professor of psychiatry; first author Laura Ibanez, an assistant professor of psychiatry; and co-author Laura Heitsch, an assistant professor of emergency medicine and of neurology to tackle the question of what drives post-stroke brain injury. The team identified people who had experienced strokes, and they looked for genetic differences between those who naturally recovered substantial function in the first day and those who did not.

As members of the International Stroke Genetics Consortium, the research team was able to study 5,876 ischemic stroke patients from seven countries: Spain, Finland, Poland, the United States, Costa Rica, Mexico, and South Korea. They measured each person's recovery or deterioration over the first day using the difference between their scores on the National Institutes of Health

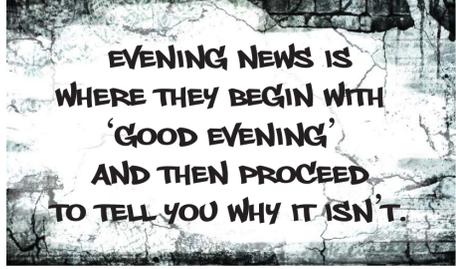
(NIH) Stroke Scale at six and 24 hours after symptoms first appeared. The scale gauges a person's degree of neurological impairment based on measures such as the ability to answer basic questions such as "How old are you?", to perform movements such as holding up the arm or leg, and to feel sensation when touched. **Wide Association**
The researchers performed a genome wide association study by scanning the participants' DNA for genetic variations related to the change in their NIH stroke scale scores. The top two hits were genes that coded for the proteins ADAM23 and GluR1. Both are related to sending excitatory messages between neurons. ADAM23 forms bridges between two neurons so that signalling molecules such as glutamate can be passed from one to the other; GluR1 is a receptor for glutamate.

"We started with no hypotheses about the mechanism of neuronal injury," Cruchaga says. "We started with the assumption that some genetic variants are associated with stroke recovery, but which ones are, we did not guess. We tested every single gene and genetic region. So the fact that an unbiased analysis yielded two genes involved in excitotoxicity tells us that it must be important." In the years since anti-excitotoxic drug development was abandoned, clot-busting drugs have become the standard of care for ischemic stroke. Such drugs aim to restore blood flow so that oxygen and anything else in the bloodstream, including medication can reach affected brain tissue. Consequently, experimental neuroprotective therapies that failed in the past might be more effective now that they have a better chance of reaching the affected area.

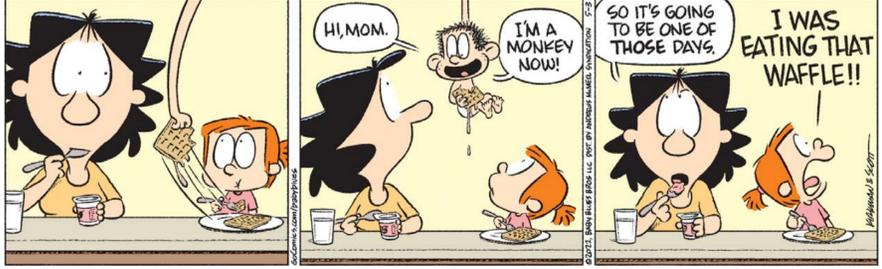


By Jerry Scott & Jim Borgman

THE WALL



BABY BLUES



ZITS



पानी के लिए मची हाहाकार, महवा रोड पर ग्रामीणों ने लगाया जाम

पुलिस की समझाइश के बाद ग्रामीणों ने खोला जाम

हिण्डौन सिटी, (का.सं.)। क्षेत्र में लगातार पानी का संकट मंडराया हुआ है। जलदाय विभाग के अधिकारियों को बार-बार मौखिक व लिखित रूप से अवगत करवाने के बावजूद भी क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था का पुख्ता इंतजाम करने में जलदाय विभाग नाकाम रहा है। पीने के पानी के लिए तरस रहे हैं ग्रामीणों ने गुरुवार को शहर के महवा रोड पर जाम लगा दिया। हालांकी शीघ्र समास्या का समाधान करवाने के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने जाम खोल दिया।

गौरतलब है कि करोड़ों रुपए शहरी व ग्रामीण पेयजल योजना के तहत सरकार का खर्च हो गया। लेकिन अभी भी लोगों के कंठ सूखे हैं। क्षेत्र में बढ़ती पेयजल संकट को लेकर महवा रोड स्थित रेवई पुरा के ग्रामीणों ने महवा रोड पर जाम लगा दिया। करीब आधा घंटे रहे जाम को नई मंडी थाना पुलिस की समझाइश से जाम खुलवाया गया। बातचीत के दौरान



पानी को लेकर ग्रामीणों ने जलदाय विभाग के खिलाफ प्रदर्शन किया।

लोगों ने बताया कि उनके क्षेत्र में पानी के लिए ना तो पाइप लाइन बिछाई गई है ना ही नल कनेक्शन दिए हैं ना ही कोई टैंकर से पानी की व्यवस्था की गई है। भीषण गर्मी में ग्रामीणों को पानी

के लिए काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि जलदाय विभाग के अधिकारियों को बार-बार अवगत कराने के बावजूद भी क्षेत्र में पानी की व्यवस्था नहीं की

गई है। यदि जल्द ही आगामी समय में पानी की व्यवस्था क्षेत्र के लोगों को नहीं की गई बड़ा जन आंदोलन करेंगे जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की रहेगी।

कांस्टेबल पेपर का झांसा देने के आरोपियों से पूछताछ जारी

चिड़वावा, (निर्स)। राजस्थान पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा 2021 के पेपर लीक होने और चिड़वावा में अस्थायी युवकों के झांसा देने के मामले में पकड़े गए युवकों के बीच कड़ी-कड़ी मिलानों का प्रयास पुलिस कर रही है। हालांकि पेपर लीक में अभी तक यहां के युवकों का हाथ नहीं लग रहा। लेकिन पुलिस गिरफ्त में बैठे युवकों ने पेपर उपलब्ध कराने का झांसा देकर 13 लाख की ठगी करने का प्रयास जरूर किया।

अब पुलिस इस मामले को तह तक जाने का प्रयास कर रही है। एएसपी डॉ.तेजपाल सिंह पुलिस थाने पहुंचे। उन्होंने थानाधिकारी अनिल चौधरी से मामले की जानकारी ली। जिसके बाद तीन नामजद आरोपियों

के अलावा हिरासत में लिए अन्य आरोपियों से देर रात तक पूछताछ की। सूत्रों के अनुसार पुलिस ने एक्सपर्ट की मदद से आरोपियों के मोबाइल की डिटेल्स खंगाली हैं। जिसमें परीक्षा से संबंधित पेपर भी मिले हैं।

जो कि ऑरिजनल है या फिर गैस पेपर है, इसकी जांच की जा रही है। आपको बता दें कि डीएएसटी ने 14-15 मई की रात को तीन युवकों को गिरफ्तार किया था जो कांस्टेबल भर्ती का पेपर उपलब्ध करवाने का झांसा देकर 10 से 13 लाख रुपए में सौदेबाजी कर रहे थे। इस मामले में पुलिस ने

किड़वाणा के महीपाल, हमीरवास के नरेंद्र और डालमिया की ढाणी के प्रमोद पुनियां को गिरफ्तार किया था।

15 साल से फरार वांछित गिरफ्तार

राजसमंद, (निर्स)। कांकरोली थाना पुलिस की टीम ने पिछले 15 सालों से फरार वांछित को गिरफ्तार करने के प्रयास में पेश किया गया। थानाधिकारी लक्ष्मणराव विश्वास ने बताया कि अधिमान के तहत वांछित को धरपकड़ को लेकर गठित की गई टीम द्वारा लीलाधर पुत्र मेघराज द्विवेदी निवासी डि कोडा थाना सायरा गोगुन्दा उदयपुर हाल बालाजी सीडस भण्डार जेके मोड कांकरोली की तलाश करते हुए मुखबिर व तकनीकी सहायता से आरोपी को लोकेशन के आधार पर हेडकॉन्स्टेबल निर्भयसिंह, पुरणसिंह, विक्रमसिंह ने पाली सुमेरपुर आशासन आश्रम के पास खेतों में बने एक कमरे से गिरफ्तार किया गया। आरोपी के खिलाफ कांकरोली थाने पर करीब 5 स्थाई वारंट एवं देवगढ़ थाने में 3 स्थाई वारंट जारी है।

जनप्रतिनिधि द्वारा किया गया कृत्य गैर जिम्मेदाराना: भाजपा

डूंगरपुर, (निर्स)। हाल ही में डूंगरपुर विधायक एवं प्रदेशाध्यक्ष यूथ कांग्रेस द्वारा डूंगरपुर पंचायत समिति के ग्राम पंचायत सुरपुर में फ्लोअप शिविर में एसडीएम सहित राजकीय कर्मचारियों से अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए ग्राम पंचायत भवन के अन्दर बंद कर ताला जड़ दिया जो कि एक जनप्रतिनिधि द्वारा किया गया गैर जिम्मेदाराना कृत्य किया है, इसको लेकर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रभु पंडया के नेतृत्व में एवं नगर मण्डल के संयुक्त तत्वावधान में राज्यपाल के नाम अतिरिक्त जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया कि डूंगरपुर विधायक द्वारा लोकतंत्र संविधान का हनन किया। जिस विधायक को अपनी ही सरकार एवं अपनी ही सरकारी तंत्र पर भरोसा नहीं है ऐसे विधायक को

नावां नागौर से राजनैतिक लोग भी उनकी शव के साथ गांव गाड़वास पहुंचे

सादलपुर, (निर्स)। नमक व्यवसायी व नमक उत्पादक संघ अध्यक्ष तथा भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व उपाध्यक्ष जयपाल पुनिया का पांचवें रोज गुरुवार सुबह 9.30 बजे उनके पतक गांव गाड़वास में अंतिम संस्कार किया गया। इसमें बड़ी संख्या में नावां नागौर से राजनैतिक लोग भी उनके शव के साथ गांव गाड़वास पहुंचे।

इस दौरान पूर्व सांसद रामसिंह कस्वा, नांवा (नागौर) के पूर्व विधायक विजयसिंह चौधरी, कुचामन के पूर्व विधायक हरिश कुमावत, महेन्द्र सुरतपुरा सहित मंगिराम पुनियां विसली, पूर्व प्रधान प्रतिनिधि धर्मचन्द गोदारा, भाजपा किसान मोर्चा के वेदपाल पुनियां, प्रधान प्रतिनिधि हेमराज पुनियां, पूर्व सैनिक संघ अध्यक्ष उम्मेद सिंह पुनियां, ओम महला, एडवोकेट प्रदीप कस्वा, एडवोकेट विजय सिंह पुनियां व सुरेन्द्र पुनियां आदि प्रमुख लोगों सहित बाढ़ पुनियां संस्थान के पदाधिकारियों ने जयपाल सिंह पुनियां की शव यात्रा में शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मृतक जयपाल सिंह पुनियां को उनके 13 वर्षीय पुत्र नारायण पुनियां ने उन्हें सुखागि दी। इस दौरान राजगढ़ सीआर



जयपाल सिंह पुनियां के अंतिम संस्कार से पूर्व गाड़वास गाँव में उनके घर में राजनैतिक लोग मौजूद रहे।

कृष्ण कुमार बलौदा भी पुलिस सुरक्षा के साथ मौके पर उपस्थित रहे। नावां के पूर्व विधायक विजय सिंह चौधरी ने जयपाल सिंह पुनियां की शव यात्रा में शामिल लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जयपाल सिंह पुनियां हत्याकांड में परिजनों को न्याय दिलाने एवं दोषियों को सजा दिलाने में

प्रमुखता से भूमिका निभाई जायेगी। गौरतलब है कि 14 मई को नावां नागौर में नमक उद्यमी जयपाल सिंह पुनियां की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। तब से लेकर राजगढ़ तहसील के लोगों में आक्रोश था तथा भाजपा कार्यकर्ताओं, सर्वजातीय राष्ट्रीय पुनिया महापंचायत एवं बाढ़ पुनिया

विकास संस्थान के कार्यकर्तागणों द्वारा जयपाल सिंह पुनियां हत्याकांड प्रकरण में सभी षड्यंत्रकारियों को गिरफ्तारी के अलावा दिवंगत की पत्नी को सरकारी नौकरी, परिवार को क्षतिपूर्ति राशि 50 लाख रुपये प्रदान करने, मामले की सी.बी.आई. से जांच कराने की मांग की जा चुकी है।

प्रेसवार्ता में तीन सालों की उपेक्षा का दर्द छलका

डूंगरपुर, (निर्स)। विधान सभा क्षेत्र डूंगरपुर के विधायक गणेश घोषरा द्वारा सुरपुर में पट्टे नहीं मिलने को लेकर जो कदम उठाया था। उसके पश्चात उन पर दर्ज हुई प्राथमिकी को लेकर बुधवार को इस्तीफे की जो कार्यवाही हुई उसके बाद जहां भाजपा ने उन्हें पदमुक्त करने के लिए राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा तो वहीं दूसरी ओर कांग्रेस का एक गुट भी विधायक की कार्यवाही को सत्तारूढ़ दल की गरीमा के खिलाफ बताया। साथ ही इस दौरान विधायक घोषरा द्वारा पिछले तीन सालों में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं सहित चुने हुए जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा का आरोप लगा दिया। जिसके चलते आज दिन भर जनता के अभाव अभियोगों को दरकिनार करते हुए भाजपा व कांग्रेस ने प्रशासनिक अधिकारियों की पेश्वी कर डाली।

सर्किट हाउस में गुरुवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में बिछोवाडा प्रधान देवराज रोट, पूर्व प्रधान राधा देवी घाटिया, पूर्व विधायक लालशंकर घाटिया ने नसीहत दे डाली कि विधायक को यदि जनता के कामों की शिकायत एवं प्रशासनिक अधिकारियों की हठधर्मिता करने का मामला था तो पहले वह राज्य के मुखिया, प्रभारी मंत्री तथा संसदन के पदाधिकारियों को अवगत कराना चाहिए था ताकि सरकार के ध्यान में भी यह बात आती कि प्रशासन के नुमाईदे राज्य सरकार की योजनाओं को विफल कर आम जन में असंतोष



सर्किट हाउस में पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते पूर्व प्रधान देवराज रोट व अन्य।

फैलाने का काम कर रहे हैं तथा ऐसे प्रशासनिक अधिकारियों पर सख्ती से कार्यवाही हो सके। लेकिन घोषरा द्वारा अतिउत्साह में सुरपुर ग्राम पंचायत में जो अधिकारियों को बंद करने की कार्यवाही की उससे आमजन में सत्तारूढ़ दल के प्रति गत संदेश गया। प्रशासनिक अधिकारी इतने बेलागम हैं। इस दौरान वे

कई बार अपने निजी दर्द को भी छलकाते नजर आये। रोट ने कहा कि विधायक बनने के पश्चात से घोषरा द्वारा सम्पूर्ण विधान सभा क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं, चुने हुए जन प्रतिनिधियों तथा पूर्व जन प्रतिनिधियों की लगातार उपेक्षा की जा रही है। और आलम यह है कि अपनी मनमर्जी से क्षेत्र में काम किये जा रहे हैं।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत

सरदारशहर, (निर्स)। इच्छापूर्ण बालाजी मंदिर के पास मेगा हाइवे पर पलट्टे ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार दो जने गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची 108 एंबुलेंस ने दोनों घायलों को देर रात कस्बे के अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां पर चिकित्सकों ने घायल दिनेश राव को मृत घोषित कर दिया। वहीं दूसरे घायल मनोहरलाल का प्राथमिक उपचार कर हाईसेंटर रैंफर कर दिया। गुरुवार दोपहर को परिजनों के आने के बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। अजमेर के रुपनगढ़ के मनोहरलाल राव व दिनेश राव बाइक में सवार होकर जा रहे थे कि इच्छापूर्ण बालाजी मंदिर के पास बीच सड़क पर पशु चारे से भरा ट्रक पलटा हुआ पड़ा था। अंधेरे में बाइक सवार को दिखाई नहीं देने से बाइक ट्रक से टकरा गई। जिसके कारण बाइक सवार दिनेश राव की मौत हो गई वहीं मनोहरलाल घायल हो गया।

47 डिग्री पर धधक उठा राजसमंद, इस सीजन की रिकॉर्ड तोड़ गर्मी

राजसमंद, (निर्स)। राजसमंद में इस सीजन की गर्मी ने अपना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। राजसमंद में गुरुवार को पारा 47 डिग्री जा पहुंचा जो कि इस सीजन के साथ ही पिछले पांच सालों के सीजन में भी यह सबसे अधिक तापमान है। झुलसा देने वाली गर्मी व उमस के आगे कुलर फेज हो गए व पंखों ने अपना दम तोड़ दिया। बुधवार को अधिकतम पारा 42 डिग्री था जो गुरुवार को एक ही दिन में 4 डिग्री बढ़ कर 47 डिग्री पर पहुंच गया। वहीं न्यूनतम तापमान भी 0.5 डिग्री की बढ त के साथ 23 डिग्री हो गया। गुरुवार को गर्मी का असर जबरदस्त रूप से देखने को मिला। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार से अगले तीन चार दिन गर्मी का असर तेज होने से उमस बढ़ेगी। हालांकि पिछले दो दिन मंगलवार व बुधवार को आसमं में हल्के बादल मंडराते दिखाई दिए। लेकिन गुरुवार को आसमं साफ

एक ही दिन में 4 डिग्री बढ़ा तापमान, न्यूनतम पारा 23 डिग्री

रहा जिससे सुबह से ही लोगों को गर्मी का अहसास रहा। सुबह 10 बजे से ही राजसमंद का तापमान 40 डिग्री से भी पार पहुंच गया। यकायक तापमान में बढ़ोत्तरी होने से लोगों का जहां घर से बाहर निकलना दुभर हो गया है वहीं घरों में रूकना भी मुश्किल हो रहा है। तेज गर्मी व उमस के कारण कुलर व पंखों की हवा भी राहत देने में नाकाम साबित हो रही है। तेज धूप के कारण

दिन में बाजार में भी सन्नाटा छाने लगा है। वहीं हमेशा गुलजार रहने वाले शहर के आस-पास स्थित पर्यटन स्थल भी सुनसान नजर आए। गर्मी को सूर्य डलने के बाद लोग घरों से बाहर निकलने, शहर के द्वारकेश (लंगोट) चौराहा, विट्टलविलास बाग, मुख्य चौपाटी, 100 फीट रोड आदि स्थाना पर आईसक्रीम व शबर्त की लारियों पर लोगों की काफी भीड़ रही। वहीं इरिगेशन व नो चौकी पाल पर भी काफी लोगों टहलते हुए नजर आए। राजसमंद में अगले दो-तीनदिन तेज गर्मी पड़ सकती है। हालांकि हल्के बादल छाए रहने के आसार जताए जा रहे हैं। लेकिन उसमें भी राहत मिलने की उम्मीद कम है। ऐसे में पश्चिमी विश्कोष का असर से 22 मई से गर्मी से राहत मिल सकती है। इसी के साथ बरसात भी हो सकती है। इससे तापमान में गिरावट होने से गर्मी से राहत मिल सकती है।

ईट भट्टे पर काम करते मिले दो बाल श्रमिक, एक को किया रेस्क्यू

राजसमंद, (निर्स)। श्रमिकों के कल्याण एवं अधिकारों के संरक्षण के लिए संचालित अभियान बिल्डिंग दी नेशन ब्रिक बाई ब्रिक अभियान के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव मनीष कुमार वैष्णव के निदेशन में गडित श्रम विभाग, पुलिस विभाग, आईलड लाईन एवं पैनल अधिकारिता की टीम ने मोही स्थित ईट भट्टों एवं कारखानों औचक का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान द्वारकेश ईट भट्टे पर दो बाल श्रमिक कार्य करते हुए पाए गए। इसमें एक बाल श्रमिका टीम को देखकर भाग गया। जबकि दूसरे बाल श्रमिक को टीम द्वारा रेस्क्यू किया गया। इसी के साथ श्रमिकों के पेयजल के लिए वहां बनी टंकी की जांच किए जाने पर टंकी में स्वच्छ पानी पाया गया जो कि श्रमिकों के स्वास्थ्य के लिए काफी हानिकारक था। सूचना पर मौके पर पहुंचे प्राधिकरण सचिव वैष्णव ने भट्टा संचालक को कड़ी फटकार लगाते हुए श्रमिकों के लिए तुरंत ही स्वच्छ व शीतल पेयजल की व्यवस्था किए जाने के निदेश दिए। निरीक्षण में कार्यस्थल पर महिलाओं एवं पुरुष के लिये पृथक शौचालय का अभाव पाया गया। टीम ने श्रमिकों को न्यूनतम वेतन एवं

■ टीम ने मोही ईट भट्टों का किया औचक निरीक्षण

■ प्राधिकरण सचिव ने भट्टा संचालक को लगाई फटकार, व्यवस्थाओं को लेकर दिए निर्देश

गर्भवती महिलाओं के लिए पर्याप्त सुविधा, प्राथमिक उपचार कीट, श्रमिकों के बालकों के शिक्षा की स्थिति का भी जायजा लिया। इस दौरान सचिव वैष्णव ने श्रमिकों से संवाद कर उनके अधिकारों एवं संचालित प्रशासनिक कार्य योजनाओं तथा महिला श्रमिकों, गर्भवती महिला के लिए विशेष सुविधाओं, विधिक अधिकारों, पीडित प्रतिक्रिया योजना, निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान श्रम निरीक्षक भैरूलाल मीना, पैनल अधिकारिता ऋषिप्राज, हेडकॉन्स्टेबल वीरेंद्र, चाईलड लाईन के भैरूलाल, प्राधिकरण के गौतम पुरोहित एवं यशोदानंदन गौतम आदि उपस्थित थे।

नकाबपोश बदमाशों ने ज्वैलरी व्यापारी के साथ की लूट

राजसमंद, (निर्स)। जिले के चारभुजा थाना क्षेत्र के मामलों का गुडा बाबों की पंतवारी के पास गांव के समीप गत रात्रि कुछ नकाबपोश बाईक सवार बदमाशों ने नकाबपोशों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई। चारभुजा थानाधिकारी भवानीशंकर ने बताया कि गत बुधवार रात्रि को मामलों का गुडा निवासी ज्वैलर्स व्यापारी रतनलाल पुत्र मानसिंह बुधवार रात्रि को गौमती चौराहा स्थित अपनी ज्वैलर्स की दूकान बंदकर अपने साथ कुछ नकदी व ज्वैलरी थैले में भरकर बाईक से अपने घर की ओर जा रहा था। इसी बीच मामलों का गुडा बाबों की पंतवारी के समीप गांव जाने वाले मार्ग पर अपने मकान से दो किमी दूरी पर रास्ते में खडे मोटरसाईकिल चार नकाबपोश बदमाशों ने व्यापारी का रास्ता रोकते हुए मोटरसाईकिल से नीचे गिराकर बैग में रखे 80 हजार रुपए, 1 किलो चांदी का कंदोरा सहित अन्य ज्वैलरी लेकर फरार हो गए। व्यापारी की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन करते हुए अज्ञात बदमाशों की तलाश प्रारंभ कर दी है।

केटामाइन ड्रग्स मामले में गुजरात क्राईम ब्रांच ने पुष्कर में दी दबिश

मेडिकल संचालक को हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए गुजरात ले गई

पुष्कर, (निर्स)। पुष्कर में चल रहे नशे के काले कारोबार के खिलाफ गुजरात अहमदाबाद क्राइम ब्रांच पुलिस ने गुरुवार को पुष्कर में केटामाइन ड्रग्स मामले में मेडिकल संचालक को हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए गुजरात ले गई। एक व्यापारी को पहले ही पुलिस 3 दिन पहले गिरफ्तार कर चुकी है। पुष्कर में कई सालों से केटामाइन का व्यापार चल रहा है। इस दौरान मामले से जुड़े एक आरोपी के मोतीसर रोड स्थित घर पर क्राइम ब्रांच की टीम ने आरोपी की तलाश की। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुष्कर होली का चौक स्थित श्री राम मेडिकल के संचालक दीपक शर्मा को अहमदाबाद क्राइम ब्रांच की पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है साथ ही पुष्कर के कुरियर व्यवसाय से जुड़े लोगों से भी पूछताछ की गई है और उनके पास उपलब्ध डाटा को खंगाला जा रहा है।



गुजरात की पुलिस की गाड़ी एवं पकड़ा गया सोनू गोयला।

गौरतलब है कि भारतीय डाक की पारसल सेवा के जरिए केटामाइन हाइड्रोक्लोराइड ड्रग्स को अमेरिका भेजने के मामले का खुलासा

में 590 ग्राम केटामाइन ड्रग्स बरामद की जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगभग 3 करोड़ रुपए कीमत आंकी गई। आरोपी सोनू ने गुजरात नवसारी जिले के विजलपुर इलाके में रहने वाले

अपने मित्र सुरेश यादव को 4 मई को पारसल भेजा था। जिस पारसल को मुंबई होते हुए अमेरिका भेजने को कहा गया था। पुष्कर में केटामाइन ड्रग से जुड़ा यह पहला मामला नहीं है। इससे पूर्व

पुलिस नशे के नेटवर्क को खंगालने में लगी है। आरोपियों से और गिरफ्तारियों के बाद पुष्कर में भी रिप्लेसमेंट हो सकती है। इस कार्रवाई के बाद पुष्कर में नशे का कारोबार करने वाले सभी व्यापारी भूमिगत हैं।

सड़क हादसे में पहाड़ी के गांव खंडेवला निवासी पांच की मौत

मरने वालों में 4 चचेरे-ममेरे भाई और एक भांजा था

भरतपुर, (निर्स)। भरतपुर जिले के पहाड़ी के छोटे से गांव खंडेवला में कोहराम मचा है। एक परिवार के पांच जनों की पहाड़ी थाना इलाके में कल रात दर्दनाक सड़क हादसे में मौत हो गई। इस कार हादसे में दो सरे भाई भी थे। दोनों भाइयों की शादी 8 मई को दो बहनों के साथ हुई थी। मरने वालों में 4 चचेरे-ममेरे भाई और एक भांजा था।



घटना के बाद गांव खंडेवला के परिवार में पसरा मातम।

मृतक के परिजन आसिम खान ने बताया कि हरियाणा से एक रिश्तेदार आए थे जिन्होंने नई कार खरीदी थी। गत शाम दुकान जाने की कहकर सभी भाई कार से 8 बजे के करीब घर से निकल गए। बहुत देर तक जब वे नहीं लौटे तो चिंता होने लगी। फोन लगाया तो एक ग्रामीण ने उठाया। वह बोला कि यहां एक्सीडेंट हुआ है, सब खत्म हो गया।

कार में इम्तियाज (20) और वासिम (18) सरे भाई भी थे। दोनों की 8 मई को दो बहनों से शादी हुई थी। शादी में ही पूरा परिवार जुटा था। हादसे में इम्तियाज गंभीर घायल हो

इम्तियाज का भांजा आशिक भी था, जिसकी मौत हो गई। चचेरे भाइयों फरदीन, अरबाज और परवेज की भी मौत हो गई। सभी परिजन पहाड़ी इन्तियाज की हालत भी नाजुक है।

अस्पताल पहुंचे और सभी को अलवर अस्पताल लेकर गए। जहां पांच युवकों ने एक के बाद एक दम तोड़ दिया। इन्तियाज की हालत भी नाजुक है।

रेस्क्यू किये गये पेंथर की मौत

सरदारशहर, (निर्स)। क्षेत्र के गांव बन्धनाऊ दिखनादा की रोही में बुधवार दोपहर में पेंथर दिखने की सूचना वन विभाग की टीम को मिली थी। वन विभाग के रेजर अनूप कुमार शर्मा के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची। जहां पर अमरहराम के छेद में बने खोच रूप में पेंथर का हुआ मिला। पेंथर को कर्मियों के लिए वनविभाग, सरदारशहर व चुरू की टीम और ग्रामीणों ने तारफ दिखाने हुए स्वीच रूम के चारों तरफ जाल लगाकर बन्द कर दिया। इसके बाद देर रात जयपुर से रेस्क्यू टीम पहुंचकर पेंथर का रेस्क्यू कर स्थानीय वन विभाग के कार्यालय में ले गए।

हॉलीवुड सुपर हीरो के साथ मूवी में दिखेंगे लक्ष्मणगढ़ सरकारी स्कूल के स्टूडेंट्स

अलवर, (निर्स)। हॉलीवुड सुपर हीरो हॉक आई (जेरेमी रेनर) के साथ मूवी में राजस्थान के स्टूडेंट्स दिखेंगे। ये स्टूडेंट्स किसी प्राइवेट स्कूल के नहीं हैं, बल्कि अलवर के लक्ष्मणगढ़ स्थित सरकारी स्कूल के हैं। फ्लोराइड युक्त पानी की समस्या पर बनी इस डॉक्यूमेंट्री में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के 300 बच्चों को मौका मिला है। 2 स्टूडेंट्स तो बाकायदा एक्टिंग करते हुए दिखेंगे। इसमें अनिल कपूर भी प्रमुख भूमिका में हैं। दरअसल प्रिंसिपल धनमत खान की पहल से बच्चों को मूवी नानी नसीब होने लगा था। पूरे

इलाके के पानी में फ्लोराइड है, मोटे पानी के लिए किए गए प्रयास और समस्या को उजागर करने के लिए डॉक्यूमेंट्री बनाई जा रही है। जेरेमी रेनर ने पूरी टीम के साथ अलवर में 3 दिन बिताए। केसरोली फोर्ट में यूनित रात में रुकती थी। बुधवार शाम 5 बजे टीम यहां से रवाना हो गई। जाते-जाते वो स्कूल प्रबंधन को 80 लाख रुपए का वाटर प्यूरीफायर दे गए।

हॉलीवुड की एवेंजर्स सीरीज के सुपर हीरो हॉक आई ने बच्चों व प्रिंसिपल से कहा कि वे गांव की राइटर डॉ. स्वप्निल के जरिए बच्चों की मदद करने को वे हमेशा तैयार रहेंगे। डॉ. स्वप्निल ने ही प्रिंसिपल से संपर्क किया था वे जेरेमी रेनर के साथ संपर्क में हैं। अलवर के लक्ष्मणगढ़ स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल के 12वीं में पढ़ने वाले रिदेश को डॉक्यूमेंट्री में एक्टिंग करने का मौका मिला है। डॉक्यूमेंट्री में स्कूल की 9वीं क्लास को छात्रा रोशनी फ्लोराइड युक्त पानी के बारे में बताती नजर आएंगी। 12वीं क्लास के स्टूडेंट रिदेश के पिता की डेथ का जिम्मे भी आएगा। फिलहाल डॉक्यूमेंट्री को लेकर ज्यादा जानकारी शेर नहीं की गई है।

श्रीगंगानगर में पारा 46 डिग्री के पार

श्रीगंगानगर, (निर्स)। गुरुवार को और साफों से ढक लिया। दोपहर में इलाका एक बार फिर तपने लगा। बुधवार के मुकाबले तापमान में करीब दो डिग्री सेल्सियस की तेजी से सड़क पर सझाटा पसर गया। वहीं शाम छह बजे तक हवा में लू के थपेड़ों का असर महसूस हो रहा था। दोपहर में लू के थपेड़ों से बचने के लिए अधिकांश लोगों ने सिर और चेहरों को पूरी तरह लोपां



एसीबी की टीम ने डींग में कार्रवाई कर आरोपियों को गिरफ्तार किया।

भरतपुर, (निर्स)। भरतपुर के कस्बा डींग में गुरुवार को प्रव्हाकार निरोधक ब्यूरो भरतपुर की टीम ने 5 हजार की रिश्वत लेने के आरोप में डींग के तहसीलदार के साथ उनके सहायक प्रशासनिक अधिकारी तथा एक दलाल को रों हथों गिरफ्तार किया है। कार्यवाही के दौरान ब्यूरो की टीम ने रिश्वत की राशि को सहायक प्रशासनिक अधिकारी से बरामद कर लिया। ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेश मीणा ने बताया कि तहसील डींग से सेवानिवृत्त पटवारी धौला कुआं कामां निवासी मुरारी लाल शर्मा से उनकी संशोधित पेशान में पेशान विभाग जयपुर द्वारा किये गये एतराज की पूर्ति करने की एवज में 5,000/- रूपये रिश्वत की मांग की गई थी। शिकायत के स्त्यापन के बाद गुरुवार को तहसील डींग के तहसीलदार 55 वर्षीय अशोक कुमार

शाह के कहने पर सेवानिवृत्त पटवारी ने रिश्वत की राशि को बरोली चौथ पुलिस थाना सदर डींग निवासी 27 वर्षीय दलाल कृष्ण कुमार पुत्र प्रेमसिंह जाट को थमा दिया, जिसने रिश्वत की इस रकम को खंगरी थाना नदबई निवासी सहायक प्रशासनिक अधिकारी तहसील डींग प्रकाश सिंह जाट को दे दी। आरोपी प्रकाश सिंह द्वारा रिश्वत राशि प्राप्त कर अपनी पहनी हुई शर्ट की जेब में रख ली, लेकिन ट्रेज की भनक लगने पर उसने अपनी जेब में से रिश्वत राशि निकाल कर अपने कार्य करने की टैबल के नीचे छुपा दी। वह इसे ब्यूरो की नजरों से नहीं बचा सका। गिरफ्तार तहसीलदार अशोक कुमार शाह पुत्र लक्ष्मीचन्द जैन मूल रूप से सरकारी हॉस्पिटल के सामने बागीदारा पुलिस थाना कल्लिजार जिला बांसवाड़ा के निवासी है।

कार्यालय ग्राम पंचायत चिमाणियों की ढाणी
पंचायत समिति गिडा-बाड़मेर
क्रमांक-ग्रा.प.चिमाणियों की ढाणी/पं.स.मि./मनरेगा/निविदा/2022-23/18 दिनांक : 13.05.22

ई-निविदा सूचना संख्या - 01/2022-23
ग्राम पंचायत चिमाणियों की ढाणी, पंचायत समिति गिडा में महात्मा गांधी नरंगा योजना व पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास विभाग की विभिन्न अनुमत योजनाओं में कराये जाने वाले कार्यों के लिए वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए प्रोक्यूरमेंट हेतु ई-टेंडरिंग की प्रक्रिया द्वारा निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा शुल्क/धरोहर राशि/प्रक्रिया शुल्क एवं निविदा से संबंधित अन्य समस्त विवरण वेबसाइट <http://sppp.rajasthan.gov.in> एवं <http://eproc.rajasthan.gov.in> पर अवलोकन की जा सकती है।
UBN No :- PLP2223GLRC00016

ग्राम विकास अधिकारी,
ग्राम पंचायत चिमाणियों की ढाणी

कार्यालय ग्राम पंचायत मैनपुर पंचायत समिति मुण्डावर (अलवर) राज.
क्रमांक-का.प./मैनपुर/2022/SPL-1 दिनांक-18/05/2022

अपकालीन निविदा सूचना सं. 2022-23
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न कार्यों हेतु पंचायती राज विभाग/जनसहय अभियांत्रिकी विभाग/सांख्यिक निगम विभाग/जल संवर्धन विभाग/नगर निगम एवं राजस्थान में पंजीकृत संबन्धों के केन्द्रीय राज्य सरकार व उनके अधिकृत संस्थानों में पंजीकृत उद्युक्त श्रेणी संबन्धों के निमात्रित प्रकृत में निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार कमेटी को होगा। यदि कारणात्मक उभेद अकारण रहता है तो अगले दिन उसी समय व उसी स्थान पर निविदाएं खोली जायेगी। अमानत राशि हटाने/नगद स्वीकार होगी। उक्त निविदा sppp पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	निविदा प्रारंभ दिनांक	निविदा प्रारंभ का दिनांक	निविदा खोलने का दिनांक	अनु. राशि (लाखों में)	अमानत राशि 2 प्रतिशत	निविदा फार्म राशि
1	श्री केशव शेरिंग नय मोटर निर्माण कार्य जोड़ह की मोरी के पास सिराखोहा।	27.05.22	27.05.22	27.05.22	06.20 लाख	12500	200
2	शिरिंग केशव शेरिंग नय मोटर निर्माण कार्य दरगाह जोड़ह के पास सिराखोहा।	27.05.22	27.05.22	27.05.22	07.49 लाख	15000	200

उक्त कार्यों के योग निगम एवं उनके सुपर (डिप्टिड सहायक निरीक्षण) का उपप्राधिकृत कार्य पूर्ण के पश्चात नियमानुसार होगा, अन्य विवरण निविदा प्रकृत में उपलब्ध है।

सर्वप्रथम
ग्राम पंचायत मैनपुर पं.सं. मुण्डावर (अलवर) **NIB N. ZAL2223A0236** **UBN N. ZAL2223LBO00369** ग्राम विकास अधिकारी पं.सं. मुण्डावर (अलवर)

कार्यालय ग्राम पंचायत रानोठ पंचायत समिति मुण्डावर (अलवर) राज.
क्रमांक-पंचा/2022/38 दिनांक-18.05.2022

अपकालीन निविदा सूचना सं. 2021-22
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, ग्राम पंचायत में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की विभिन्न योजनाओं में वित्तीय वर्ष 2021-22 में करण की जाने वाली निम्न सामग्री हेतु राजस्थान टैट अधिनियम 2003 के अन्तर्गत राज्ज कर्तु एवं सेवा कर अधिनियम 2017 के तहत पंजीकृत उद्युक्त एवं पी. डब्ल्यू. डी. एवं ए.आई.टी. में पंजीकृत उद्युक्त/श्रेणी/वर्गों में ग्राम पंचायत स्तर पर सौलभ्य निविदाएं निम्नांकित कार्यक्रम अनुसार आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	निविदा प्रारंभ दिनांक	निविदा प्रारंभ का दिनांक	निविदा खोलने का दिनांक	अनु. राशि (लाखों में)	अमानत राशि 2 प्रतिशत	निविदा फार्म राशि
1	निर्माण सामग्री अनुपूर्ति वर्ष 2022-23 SFC/FCC/MLAMP/अन्य योजनाएं	30.5.22	30.5.22	30.5.22	9.80	19800	500

1. निविदा निमात्रित प्रकृत में स्वीकार की जायेगी। जो निमात्रित दिनांक व समय तक निविदा शुल्क रुपये 200/ नकद अथवा कारक प्रकृत की जा सकती है तथा अमानत राशि डीडी/बैंक/नकद द्वारा स्वीकार की जायेगी।
2. निविदाएं संबंधित ग्राम पंचायत में डिप्टी की जाकर प्रकृत की जा सकती है।
3. सभी बरे राशदी, अकारण, ऑनसदी अति स्वीकृत प्रकृत की जायेगी।
4. गतिद कर्ण समिति द्वारा निविदा को निरस्त करने का पूर्ण अधिकार होगा।
5. अन्य सभी ग्राम पंचायत कार्यालय के नोडल ऑफिस पर पूछे जा सकती है।

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत रानोठ पं.सं. मुण्डावर (अलवर) **NIB NO: ZAL2223A0235** **UBN NO: ZAL2223GS0B00368** ग्राम पंचायत रानोठ पं.सं. मुण्डावर (अलवर)

कार्यालय ग्राम पंचायत खोखसर पश्चिम
पंचायत समिति गिडा-बाड़मेर
क्रमांक-ग्रा.प.खोखसर पश्चिम/पं.स.मि./मनरेगा/निविदा/2022-23/16 दिनांक : 13.05.22

ई-निविदा सूचना संख्या - 01/2022-23
ग्राम पंचायत खोखसर पश्चिम, पंचायत समिति गिडा में महात्मा गांधी नरंगा योजना व पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास विभाग की विभिन्न अनुमत योजनाओं में कराये जाने वाले कार्यों के लिए वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए प्रोक्यूरमेंट हेतु ई-टेंडरिंग की प्रक्रिया द्वारा निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा शुल्क/धरोहर राशि/प्रक्रिया शुल्क एवं निविदा से संबंधित अन्य समस्त विवरण वेबसाइट <http://sppp.rajasthan.gov.in> एवं <http://eproc.rajasthan.gov.in> पर अवलोकन की जा सकती है।
UBN No :- PLP2223GLRC00015

ग्राम विकास अधिकारी,
ग्राम पंचायत खोखसर पश्चिम

कार्यालय ग्राम पंचायत केसुम्बला भाटियाण
पंचायत समिति गिडा-बाड़मेर
क्रमांक-ग्रा.प.केसुम्बला भाटियाण/पं.स.मि./मनरेगा/निविदा/2022-23/12 दिनांक : 13.05.22

ई-निविदा सूचना संख्या - 01/2022-23
ग्राम पंचायत केसुम्बला भाटियाण, पंचायत समिति गिडा में महात्मा गांधी नरंगा योजना व पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास विभाग की विभिन्न अनुमत योजनाओं में कराये जाने वाले कार्यों के लिए वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए प्रोक्यूरमेंट हेतु ई-टेंडरिंग की प्रक्रिया द्वारा निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा शुल्क/धरोहर राशि/प्रक्रिया शुल्क एवं निविदा से संबंधित अन्य समस्त विवरण वेबसाइट <http://sppp.rajasthan.gov.in> एवं <http://eproc.rajasthan.gov.in> पर अवलोकन की जा सकती है।
UBN No :- PLP2223GLRC00017

ग्राम विकास अधिकारी,
ग्राम पंचायत केसुम्बला भाटियाण

चौरु क्षेत्र में खुले आम हो रहा अवैध बजरी परिवहन



अलीगढ़ थाना पुलिस ने अवैध टोलियों को जब्त किया।

उजियारा/चौरु, (निर्स)। उजियारा उपखण्ड क्षेत्र चौरु में रॉयल्टी की रसीद नहीं कटवा बजरी माफिया अपने दबंगता का डर दिखाकर खुलेआम बजरी का परिवहन कर रहे हैं इससे राज्य सरकार को रोजना लाखों रुपए के राजस्व का नुकसान उठाना पड़ रहा है। अलीगढ़ पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत चौरु क्षेत्र में चौथ का बरवाड़ा सड़क मार्ग से होते हुए कुलेआम दिनदहाड़े बजरी का परिवहन हो रहा है, जिन्हें रोकोने टोकने वाला कोई नहीं है। सूर्योदय से देर रात्रि तक इस सड़क मार्ग पर बजरी माफियाओं का राज रहता है। एक साथ 50-50 ट्रैक्टर ट्राली बजरी से ओवरलोड भरकर दिनांक

रॉयल्टी की रसीद नहीं कटवा बजरी माफिया दबंगता से कर रहे परिवहन
रॉयल्टी रसीद कटवाए हुए फिल्मी अंदाज में इस मार्ग पर दिनदहाड़े चलते हैं। पुलिस में शिकायत होने के बाद भी इस मार्ग पर गस्त नहीं होना पुलिस की कार्यशैली पर भी सवालिया निशान है। चौथ का बरवाड़ा के पास बनास नदी होने के कारण बजरी माफिया इस नदी से बजरी का अवैध खनन करते हुए चौथ का बरवाड़ा से चौरु होते हुए इस मार्ग पर खुलेआम अवैध रूप से बजरी का परिवहन कर रहे हैं।

SBI भारतीय स्टेट बैंक
State Bank of India
"परिशिष्ट-IV-क" (नियम 8 (6) का परानुक देवें) अचल सम्पत्ति के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस

अचल सम्पत्ति का विवरण

अचल सम्पत्ति का विवरण	1. आरंभित मूल्य	2. धरोहर राशि	समय
श्रीमती ज्योति घाटनी पत्नी श्री मोहन घाटनी की फ्लैट नं. बी-1 (बेसमेंट फ्लैट), प्लॉट नं. 38, खाना सड़क, कोहराम नगर, सिविल लाइन्स, जयपुर, (राज.) निम्न आवासीय सम्पत्ति (बीक में उपलब्ध रिमाइंड में पुराने अनुसूचित अर्थव्यवस्था एरिया 17.45 वर्ग फीट)। प्लॉट नं. 38 की चहुँ-नीलामी, पूर्व नं. प्लॉट नं. 32, पश्चिम नं. सीढ़ियां बगइचा, प्लॉट नं. 39, दक्षिण नं. प्लॉट नं. 37	1.रु. 37.08 लाख	रु. 3.71 लाख	दोपहर 02:00 से दोपहर 03:00

अचल सम्पत्ति का मूल्य

अचल सम्पत्ति का मूल्य	आरंभित मूल्य व धरोहर राशि	समय
श्रीमती ज्योति घाटनी पत्नी श्री मोहन घाटनी की फ्लैट नं. बी-1 (बेसमेंट फ्लैट), प्लॉट नं. 38, खाना सड़क, कोहराम नगर, सिविल लाइन्स, जयपुर, (राज.) निम्न आवासीय सम्पत्ति (बीक में उपलब्ध रिमाइंड में पुराने अनुसूचित अर्थव्यवस्था एरिया 17.45 वर्ग फीट)। प्लॉट नं. 38 की चहुँ-नीलामी, पूर्व नं. प्लॉट नं. 32, पश्चिम नं. सीढ़ियां बगइचा, प्लॉट नं. 39, दक्षिण नं. प्लॉट नं. 37	रु. 12,63,000/- (बाह्य कर्ण संख्या 12/00 से) रु. 1,26,300/- (एक लाख छहस्र बीस तीस सौ रुपये मात्र)	दोपहर 12:00 से दोपहर 02:00

SBI भारतीय स्टेट बैंक
State Bank of India
"परिशिष्ट-IV-क" (नियम 8 (6) का परानुक देवें) अचल सम्पत्ति के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस

अचल सम्पत्ति का विवरण

अचल सम्पत्ति का विवरण	आरंभित मूल्य व धरोहर राशि	समय
श्री किरण लाल बेरवा पुत्र श्री बाबू लाल व श्रीमती सुशीला देवी पत्नी श्री किरण लाल बेरवा के पास प्लॉट नं. 02, EWS-1, अखंडनगर नगर, अलवर, जिला-अलवर (राज.) निम्न भूमि व अचल सम्पत्ति (बीक में उपलब्ध रिमाइंड में पुराने अनुसूचित अर्थव्यवस्था एरिया 59.79 वर्ग फीट)। प्लॉट नं. 02, पश्चिम नं. प्लॉट नं. 03, पश्चिम नं. प्लॉट नं. 01, उत्तर नं. चक्रवर्त, दक्षिण नं. प्लॉट नं. एच-53	रु. 12,63,000/- (बाह्य कर्ण संख्या 12/00 से) रु. 1,26,300/- (एक लाख छहस्र बीस तीस सौ रुपये मात्र)	दोपहर 12:00 से दोपहर 02:00

SBI भारतीय स्टेट बैंक
State Bank of India
"परिशिष्ट-IV-क" (नियम 8 (6) का परानुक देवें) अचल सम्पत्ति के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस

अचल सम्पत्ति का विवरण

अचल सम्पत्ति का विवरण	आरंभित मूल्य व धरोहर राशि	समय
श्रीमती ज्योति घाटनी पत्नी श्री मोहन घाटनी की फ्लैट नं. बी-1 (बेसमेंट फ्लैट), प्लॉट नं. 38, खाना सड़क, कोहराम नगर, सिविल लाइन्स, जयपुर, (राज.) निम्न आवासीय सम्पत्ति (बीक में उपलब्ध रिमाइंड में पुराने अनुसूचित अर्थव्यवस्था एरिया 17.45 वर्ग फीट)। प्लॉट नं. 38 की चहुँ-नीलामी, पूर्व नं. प्लॉट नं. 32, पश्चिम नं. सीढ़ियां बगइचा, प्लॉट नं. 39, दक्षिण नं. प्लॉट नं. 37	रु. 10,49,000/- (दर लाल उपवास जंशु करपा घर) रु. 3.07 लाख	दोपहर 12:00 से दोपहर 02:00

SBI भारतीय स्टेट बैंक
State Bank of India
"परिशिष्ट-IV-क" (नियम 8 (6) का परानुक देवें) अचल सम्पत्ति के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस

अचल सम्पत्ति का विवरण

अचल सम्पत्ति का विवरण	आरंभित मूल्य व धरोहर राशि	समय
श्री दीपक चौधरी पत्नी श्री मीरा चौधरी की फ्लैट नं. बी-1 (बेसमेंट फ्लैट), प्लॉट नं. 38, खाना सड़क, कोहराम नगर, सिविल लाइन्स, जयपुर, (राज.) निम्न आवासीय सम्पत्ति (बीक में उपलब्ध रिमाइंड में पुराने अनुसूचित अर्थव्यवस्था एरिया 17.45 वर्ग फीट)। प्लॉट नं. 38 की चहुँ-नीलामी, पूर्व नं. प्लॉट नं. 32, पश्चिम नं. सीढ़ियां बगइचा, प्लॉट नं. 39, दक्षिण नं. प्लॉट नं. 37	रु. 10,49,000/- (दर लाल उपवास जंशु करपा घर) रु. 3.07 लाख	दोपहर 12:00 से दोपहर 02:00

SBI भारतीय स्टेट बैंक
State Bank of India
"परिशिष्ट-IV-क" (नियम 8 (6) का परानुक देवें) अचल सम्पत्ति के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस

अचल सम्पत्ति का विवरण

अचल सम्पत्ति का विवरण	आरंभित मूल्य व धरोहर राशि	समय
श्री दिपक चौधरी पत्नी श्री मीरा चौधरी की फ्लैट नं. बी-1 (बेसमेंट फ्लैट), प्लॉट नं. 38, खाना सड़क, कोहराम नगर, सिविल लाइन्स, जयपुर, (राज.) निम्न आवासीय सम्पत्ति (बीक में उपलब्ध रिमाइंड में पुराने अनुसूचित अर्थव्यवस्था एरिया 17.45 वर्ग फीट)। प्लॉट नं. 38 की चहुँ-नीलामी, पूर्व नं. प्लॉट नं. 32, पश्चिम नं. सीढ़ियां बगइचा, प्लॉट नं. 39, दक्षिण नं. प्लॉट नं. 37	रु. 10,49,000/- (दर लाल उपवास जंशु करपा घर) रु. 3.07 लाख	दोपहर 12:00 से दोपहर 02:00

SBI भारतीय स्टेट बैंक
State Bank of India
"परिशिष्ट-IV-क" (नियम 8 (6) का परानुक देवें) अचल सम्पत्ति के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस

अचल सम्पत्ति का विवरण

अचल सम्पत्ति का विवरण	आरंभित मूल्य व धरोहर राशि	समय
श्री दीपक चौधरी पत्नी श्री मीरा चौधरी की फ्लैट नं. बी-1 (बेसमेंट फ्लैट), प्लॉट नं. 38, खाना सड़क, कोहराम नगर, सिविल लाइन्स, जयपुर, (राज.) निम्न आवासीय सम्पत्ति (बीक में उपलब्ध रिमाइंड में पुराने अनुसूचित अर्थव्यवस्था एरिया 17.45 वर्ग फीट)। प्लॉट नं. 38 की चहुँ-नीलामी, पूर्व नं. प्लॉट नं. 32, पश्चिम नं. सीढ़ियां बगइचा, प्लॉट नं. 39, दक्षिण नं. प्लॉट नं. 37	रु. 10,49,000/- (दर लाल उपवास जंशु करपा घर) रु. 3.07 लाख	दोपहर 12:00 से दोपहर 02:00

SBI भारतीय स्टेट बैंक
State Bank of India
"परिशिष्ट-IV-क" (नियम 8 (6) का परानुक देवें) अचल सम्पत्ति के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस

अचल सम्पत्ति का विवरण

अचल सम्पत्ति का विवरण	आरंभित मूल्य व धरोहर राशि	समय
श्री दिपक चौधरी पत्नी श्री मीरा चौधरी की फ्लैट नं. बी-1 (बेसमेंट फ्लैट), प्लॉट नं. 38, खाना सड़क, कोहराम नगर, सिविल लाइन्स, जयपुर, (राज.) निम्न आवासीय सम्पत्ति (बीक में उपलब्ध रिमाइंड में पुराने अनुसूचित अर्थव्यवस्था एरिया 17.45 वर्ग फीट)। प्लॉट नं. 38 की चहुँ-नीलामी, पूर्व नं. प्लॉट नं. 32, पश्चिम नं. सीढ़ियां बगइचा, प्लॉट नं. 39, दक्षिण नं. प्लॉट नं. 37	रु. 10,49,000/- (दर लाल उपवास जंशु करपा घर) रु. 3.07 लाख	दोपहर 12:00 से दोपहर 02:00

SBI भारतीय स्टेट बैंक
State Bank of India
"परिशिष्ट-IV-क" (नियम 8 (6) का परानुक देवें) अचल सम्पत्ति के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस

अचल सम्पत्ति का विवरण

अचल सम्पत्ति का विवरण	आरंभित मूल्य व धरोहर राशि	समय
श्री दिपक चौधरी पत्नी श्री मीरा चौधरी की फ्लैट नं. बी-1 (बेसमेंट फ्लैट), प्लॉट नं. 38, खाना सड़क, कोहराम नगर, सिविल लाइन्स, जयपुर, (राज.) निम्न आवासीय सम्पत्ति (बीक में उपलब्ध रिमाइंड में पुराने अनुसूचित अर्थव्यवस्था एरिया 17.45 वर्ग फीट)। प्लॉट नं. 38 की चहुँ-नीलामी, पूर्व नं. प्लॉट नं. 32, पश्चिम नं. सीढ़ियां बगइचा, प्लॉट नं. 39, दक्षिण नं. प्लॉट नं. 37	रु. 10,49,000/- (दर लाल उपवास जंशु करपा घर) रु. 3.07 लाख	दोपहर 12:00 से दोपहर 02:00

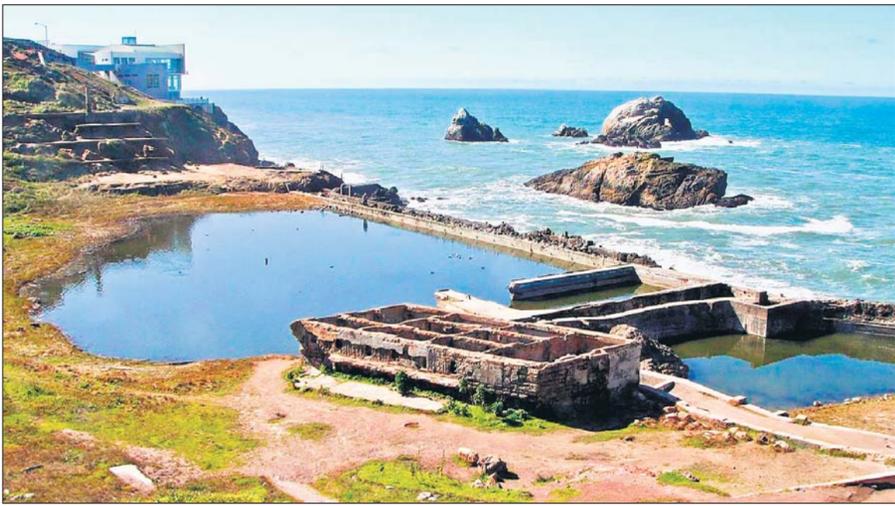
गैंगस्टर की कार पत्थर से टकराकर खेत में गिरी

खैरथल, (निर्स)। खैरथल थाना पुलिस ने कुख्यात गैंगस्टर गब्बर उर्फ गब्बर जाट व नरेश उर्फ नरसी जाट व उनके साथियों को गिरफ्तार कर लिया। पांचों बदमाशों को राजकार्य में बाधा पहुंचाने पर गिरफ्तार किया गया व क्षतिग्रस्त कार को जब्त किया गया। आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां से पुलिस अभिरक्षा में सौंपा गया। पकड़े गए आरोपियों गब्बर उर्फ गब्बर पुत्र रिशाल सिंह जाट निवासी प्राणपुरा पुलिस थाना बावल जिला रेवाड़ी हरियाणा नरेश उर्फ नरसी नंबर वाली एक कार में सवार होकर बीबीनारी की ओर से हरसीली की तरफ आने की इतला का खैरथल में जेहल मोड पर नाकाबंदी की गई थी जहां आरोपी नाकाबंदी तोड़ कर मातौर पर बजरी भागे जिस पर पुलिस ने पीछा किया तब शाणपुरा के मोड पर सड़क किनारे पत्थर से टायर के टकराने पर

कार असंतुलित होकर खेतों में जाकर पलट गई। पुलिस ने उक्त कार में सवार गब्बर जाट व नरेश उर्फ नरसी जाट व उनके साथियों को गिरफ्तार कर लिया। पांचों बदमाशों को राजकार्य में बाधा पहुंचाने पर गिरफ्तार किया गया व क्षतिग्रस्त कार को जब्त किया गया। आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां से पुलिस अभिरक्षा में सौंपा गया। पकड़े गए आरोपियों गब्बर उर्फ गब्बर पुत्र रिशाल सिंह जाट निवासी प्राणपुरा पुलिस थाना बावल जिला रेवाड़ी हरियाणा नरेश उर्फ नरसी नंबर वाली एक कार में सवार होकर बीबीनारी की ओर से हरसीली की तरफ आने की इतला का खैरथल में जेहल मोड पर नाकाबंदी की गई थी जहां आरोपी नाकाबंदी तोड़ कर मातौर पर बजरी भागे जिस पर पुलिस ने पीछा किया तब शाणपुरा के मोड पर सड़क किनारे पत्थर से टायर के टकराने पर

कार्यालय ग्राम पंचायत नगली औंला पंचायत समिति मुण्डावर (अलवर) राज.
क्रमांक-ग्रा.प./नगली औंला/2022-23/52 दिनांक-19/05/2022

अपकालीन निविदा सूचना सं. 2021-22
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न कार्यों हेतु पंचायती राज विभाग/जनसहय अभियांत्रिकी विभाग/सांख्यिक निगम विभाग/जल संवर्धन विभाग/नगर निगम एवं राजस्थान में पंजीकृत संबन्धों के केन्द्रीय राज्य सरकार व उनके अधिकृत संस्थानों में पंजीकृत उद्युक्त श्रेणी संबन्धों के निमात्रित प्रकृत में निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार कमेटी को होगा। यदि कारणा



सैनफ्रांसिस्को में ओशन बीच के ठीक उत्तर में गोल्डन गेट नेशनल रीक्रिएशन एरिया है, जहां कभी विश्व का सबसे बड़ा इन्डोर स्विमिंग पूल "सूरो बाथ्स" हुआ करता था। इसके अवशेष आज भी देखे जा सकते हैं। जाने माने उद्योगपति और सैनफ्रांसिस्को के मेयर एडॉल्फ सूरो ने अपने क्लिफ हाउस के साथ ये स्नानागार बनवाए थे। उनका घर ओशन बीच की एक खड़ी चट्टान के किनारे पर टिका हुआ था। क्लिफ हाउस के नीचे एक छोटे से इनलैट (समुद्र या झील से जमीन पर आने वाली छोटी जलधारा) में यह स्नानागार बनाया गया था। कांच की एक बड़ी इमारत में ताजे पानी का एक पूल था तथा 6 फुल खारे पानी के थे, सबका अलग-अलग तापमान था। सूरो बाथ्स 150 मीटर लम्बे और 77 मीटर चौड़े थे और इसमें 18 से 20 लाख गैलन पानी आ सकता था। इनमें पानी भरने का सिस्टम बहुत अद्भुत था। जार के समय समीपवर्ती समुद्र से सीधे पानी आता था और एक घंटे में बाथ में भरा 20 लाख गैलन पानी रीसाइकल हो जाता था। लो टाइड (भाटा) के समय एक शक्तिशाली टरबाइन वॉटर पम्प 5 घंटे में टैंकों को भर देता था। यहां 500 से ज्यादा प्राइवेट डूबिंग रूम थे तथा 20,000 लोगों के लिए स्नान की सुविधा थी। पूल्स के अलावा एक म्यूजियम भी था, जिसमें वो वस्तुएं प्रदर्शित थीं जो सूरो ने मिस्र की यात्रा के दौरान एकत्रित की थीं। इसके अलावा स्टड पोलेर बेअर और वनमानुष, अलास्का के टोटम पोले और मॉक्सिको, चीन, एशिया व मध्य-पूर्व से एकत्रित पेंटिंग्स, टैपस्ट्रीज और कलाकृतियां भी थीं। सूरो बाथ बेहद लोकप्रिय थे पर ये फायदे का सौदा साबित नहीं हुए और इनका रखरखाव महंगा पड़ने लगा। धीरे-धीरे इनकी लोकप्रियता कम हो गई। फायदेमंद बनाने के लिए इसे आइस स्टेडिओ रिक में बदल दिया गया, पर यह अपनी पुरानी लोकप्रियता कभी नहीं पा सका। बाद में एक प्रॉपर्टी डेवलपर ने यह इमारत खरीद ली, उसने टैंक तोड़ने शुरू किए ताकि वहाँ ऊंची इमारत बना सके। सन् 1966 में रहस्यमय तरीके से आग लगने के कारण बचावघुवा ढांचा भी नष्ट हो गया। लेकिन यहां कभी भी ऊंची इमारत नहीं बन पाई।

कर्मचारियों की धमकी, विधायकों का रवैया नहीं सुधरा तो आंदोलन करेंगे

अधिकारियों/कर्मचारियों के खिलाफ कांग्रेस विधायकों के रवैये से पनप रहा है कर्मचारी संगठनों में विरोध

जयपुर, 19 मई (का.प्र.)। राजस्थान की कांग्रेस सरकार इस बार राज्य कर्मचारियों को खुश करने के जहां हर जतन कर रही है वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के विधायकों द्वारा कर्मचारियों के खिलाफ लगातार की जा रही कार्यवाहियों के बाद कर्मचारियों में सरकार के प्रति लगातार नाराजगी बढ़ती जा रही है। ऐसे में सरकार की ओर से राज्य कर्मचारियों के हितों में किए गए फैसलों के बावजूद कर्मचारी सरकार के प्रति खफा नजर आते हैं।

बाड़ी विधायक गिराज मलिंगा और उनके समर्थकों द्वारा बिजली विभाग के अधिकारियों से मारपीट की घटना के अलावा एसीबी की ओर से

आर.ए.एस. अधिकारी को बुलाकर पूछताछ करने के मामले हो चुके हैं और अब आदिवासी विधायक गणेश घोषरा और उनके समर्थकों द्वारा एएसडीएम को बंद करने का मामला चर्चा में है। इन सब मामलों को लेकर राजस्थान के कर्मचारियों में कांग्रेस के प्रति गुस्सा पनपता दिख रहा है। कर्मचारी महासंघ की ओर से मुख्यमंत्री से इन तमाम मामलों को लेकर ज्ञापन देने तथा विधायकों के रवैये की शिकायत करने की तैयारी है। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि वे विधायकों की ज्यादातर अब ज्यादा बर्दाश्त करने की स्थिति में नहीं है।

कर्मचारी संगठन से जुड़े एक

कर्मचारी का कहना है कि राज्य के कर्मचारी हितैषी मुख्यमंत्री कर्मचारियों के हित में नए-नए एतिहासिक फैसले कर आयास स्थापित कर रहे हैं। इन फैसले में पुरानी पेंशन योजना लागू करना, आर.जी.एच.एस. योजना, विभिन्न भत्ते बढ़ाये जाना, 3 लाख कर्मचारियों के वेतन कटौती के आदेशों पर रोक लगाने समेत अनेकों कर्मचारी हित के कार्यों के बावजूद विधायकों की ओर से राज्य सरकार के कर्मचारियों को ऑफिस में बंद कर देने, उनसे मारपीट करने तथा उनको स्थानान्तरण की धमकिया देने सहित मानसिक प्रताड़ना दी जा रही है। कर्मचारी नेता इसकी कड़ी निन्दा करते हैं। इस मामले को लेकर

कर्मचारी महासंघ के प्रदेश प्रवक्ता एवं नरेंद्र नेता नरेन्द्र सिंह शेखावत, राजस्थान नरेंद्र एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष प्यारेलाल चौधरी, प्रदेश महामंत्री सुनील शर्मा का कहना है कि इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति पर रोक लगाने व दोषी लोगों पर कार्यवाही करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को ज्ञापन देंगे।

इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी दी है कि कर्मचारियों व अधिकारियों को इसी तरह से प्रताड़ित किया गया तो राज्य के समस्त कर्मचारी संगठनों की बैठक बुलाकर प्रभावों अन्दोलन किया जायेगा।

सिद्ध को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने इस दलील को अस्वीकार कर दिया कि उन्हें निन्दनीय मानव-वध का अपराधी माना जाये, हालांकि यह इंडियन पैनल कोड (आई.पी.सी.) की धारा 304ए के तहत, हत्या के समकक्ष न हो।

सर्वोच्च न्यायालय ने उस याचिका पर अपने निर्णय को 25 मार्च को सुरक्षित रख लिया था, जो याचिका इसी अदालत के उस आदेश पर पुनर्विचार हेतु लगाई गई थी, जिस आदेश में सिद्ध को इसी केस में 1000 रु. का जुर्माना करके छोड़ दिया गया था। अदालत ने सिद्ध को सजा में वृद्धि की मांग करने वाली इस पुनर्विचार याचिका स्वीकार कर लिया। वादी के वकील सुधीर वालिया ने इस फैसले का स्वागत किया है। सिद्ध को आदेश दिया गया है कि इस सजा के सिलसिले में पटियाला कोर्ट के समक्ष आत्म समर्पण कर दें। इससे पूर्व, सर्वोच्च न्यायालय ने उन्हें 1000 रु. जुर्माना करने के बाद मुक्त कर दिया था। उन्हें ही गई इस सजा का कारण 1988 में हुए तेज गति से गाड़ी चलाने के कारण हुए हादसे में किसी गुनाहम सिंह नामक व्यक्ति की मृत्यु हो जाना रहा।

धनवापसी हो सकती है। भारतीय स्टॉक मार्केट ने ग्लोबल ट्रेण्ड्स के कारण हाल ही के सप्ताहों में जबर्दस्त झटका खाया है। स्टॉक मार्केट के ट्रेण्ड्स जब कमजोर पड़ जाते हैं, तो विदेशी संस्थागत निवेशक अपने निवेश मूल्य: को बनाए रखने के लिए वहां से निकल लेते हैं। निवेशक इसके कारण निवेशक अपने शेयरों के मूल्य को रूप में कन्वर्ट कर बाजार छोड़ देते हैं जिससे रूप की विनिमय दर तुरंत प्रभाव से गिर जाती है।

यह वास्तव में वैसा ही है जैसा कि वर्ष 2008-09 के वैश्विक वित्तीय संकट के तुरंत बाद हुआ था। वैश्विक बाजारों के परतित अविश्वासि रुख के कारण वित्तीय बाजार गिर गए थे। भारत के मामले में वैश्विक वित्तीय गिरावट स्टॉक और विदेशी विनिमय बाजारों के जरिए भारतीय बाजारों में प्रवेश कर गई थी। भारतीय रूप में आई गिरावट और गंभीर होती, लेकिन रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया (आर.बी.आई.) ने बाजार में हस्तक्षेप कर रूप को सराहा दिया। आर.बी.आई. ने रूप का मूल्य स्थिर करने के लिए अपने मुद्रा भण्डार की तिजोरी खोल दी है।

विदेश मंत्री ने कि ताइवान वैश्विक स्वास्थ्य समुदाय का एक सक्षम और जिम्मेदार सदस्य है और इसकी क्षमताएं और इसकी क्षमताएं एवं दृष्टिकोण डब्ल्यू.एच.ए. चर्चाओं की दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ताइवान को इससे बाहर रखने का कोई तुक नहीं बनता,

बल्कि इसे शामिल करने से ही दुनिया की भलाई है। ब्रिक्स के मुताबिक वैश्विक महामारी के समय में पूरी दुनिया एकजुट रहा है, ऐसे में ताइवान को अलग-थलग रखना कदापि उचित नहीं है।

चीन ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि अमेरिका चीन के आंतरिक मामलों में दखल देता है, तो चीन अपनी संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए कठोर कदम उठाएगा। चीन के विदेश मामलों के लिए केंद्रीय आयोग के कार्यालय के निदेशक जंग जिए-ची ने अमेरिका के राष्ट्रीय

सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन से दूरभाष पर हुई वार्ता के दौरान यह बातें कही।

चीन के विदेश मंत्रालय ने वांग के हवाले से कहा, चीन अपनी संप्रभुता और सुरक्षा हितों की रक्षा के लिए निर्णायक कार्रवाई करेगा और जो हमने कहा है उसे करके दिखायेंगे।

वांग के अनुसार अमेरिका ने एक के बाद एक लगातार चीन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने और उसके राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचाने वाले गलत कार्यों और बयानों की कतार लगा दी है।

‘पेपर लीक की घटनाओं के पीछे बेरोजगारी सबसे बड़ा कारण’

मुख्यमंत्री का तर्क है-बेरोजगारी बढ़ेगी तो क्राइम बढ़ेगा, पेपर लीक के गैंग बनेंगे

- “आदमी जब फ्रस्ट्रेशन में होता है तो क्राइम करता है, नशा करता है, क्या-क्या नहीं करता?”
- घोघरा मामले में कहा-युवा विधायक भावुक हैं, मना लेंगे।

जयपुर, 19 मई (का.प्र.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने लगातार ही पेपर लीक की घटनाओं के पीछे सबसे बड़ा कारण बेरोजगारी को माना है उनका कहना है कि जिस तरह से पेपर लीक की घटनाएं पूरे देश में हो रही हैं उसका कारण है कि बेरोजगारी फैल रही है और देश में बेरोजगारी मुद्दा बना हुआ है। रीट के बाद काँस्टेबल भर्ती परीक्षा का पचास लीक होने संबंधी सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने यह बात कही। वहीं उन्होंने कांग्रेस विधायक गणेश घोघरा की ओर से दिए गए इस्तीफे पर कहा कि वैभव का आदमी है हम उन्हें मना लेंगे। इसी के साथ मर्डर केस में गिरफ्तार उप मुख्य सचेतक महेंद्र चौधरी के भाई के मामले को लेकर इतनी कड़ी भी गलत होगा उसके खिलाफ कार्यवाही होगी इसके लिए हमने पुलिस को कह रखा है कि किसी की सिफारिश नहीं मानी है।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर मीडिया से बात करते हुए गहलोत ने कहा “जो क्राइम हो रहा है, रैप हो रहे

हैं काफी हद तक उसके पीछे भी कारण होता है कि आदमी जब फ्रस्ट्रेशन में होता है तो क्राइम करता है, नशा करता है, क्या क्या नहीं करता ? रोजगार नहीं मिलेगा तो क्राइम बढ़ेगा और पेपर लीक जैसी घटनाएं गैंग बनाकर होंगी जो कि हो रही हैं। हर राज्य में होने लगी है। यूपी में बहुत बड़ी घटना हुई थी। राजस्थान में कानून पास किया है। हम सुनिश्चित करेंगे कि युवाओं को रोजगार मिले। इतनी बड़ी संख्या में नौकरियों निकाली है, उसका फायदा तो मिले।”

गणेश घोघरा के इस्तीफे पर गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी की सभा में गणेश घोघरा ने कहा था कि “हमारे मुख्यमंत्री गांधीवादी नेता हैं। आप समझ जाओ, मुख्यमंत्री गांधीवादी है, तो एसडीओ को बंद करने वाला काम तो

गांधीवादी नहीं है। गणेश घोघरा हमारा नौजवान साथी है, भावुक आदमी है। इस्तीफे की घोषणा की होगी हम समझाइश करेंगे, मान जाएगा। वे जनता के लिए संघर्ष करते रहते हैं। उनकी तारीफ करनी चाहिए।” गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी ने कहा था कि जनता से कनेक्शन जोड़ो, जनप्रतिनिधि को जनता के बीच जाना चाहिए। राजनीति में काम करने वालों का यही असली काम होता है कि जनता के बीच जाएं, जनसुनवाई करें। पर वहां घटना दूसरी हो गई, अति उत्साह में एसडीओ को बंद कर दिया। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राजस्थान में कानून का राज है, कानून का राज रहना चाहिए। इसलिए एसडीओ को बंद करने की एफआईआर दर्ज हो गई। मैंने तनाव के वक्त भी कहा था और अब भी

खुले तौर पर कह रहा हूँ कि कोई हिंसा करवाएगा, दंगे करवाएगा तो कानून अपना काम करेगा। गणेश घोघरा को इसलिए फौल हुआ होगा कि एफआईआर दर्ज हो गई, कार्यकर्ताओं के खिलाफ भी हुई होगी।

उप सचेतक महेंद्र चौधरी के भाई पर मर्डर केस में गिरफ्तारी पर मुख्यमंत्री ने कहा मंत्री, विधायक अपने पद का दुरुपयोग कर किसी परिजन को बचाए तो आप आरोप लगाएंगे कोई गलत काम करता है तो कानून अपना काम करेगा तो मैंने पुलिस को दो टुक कह रखा है कि अपराध के मामले में निष्पक्ष होकर काम करना है, राजनीतिक सिफारिश नहीं मानी है।

‘गेहूँ के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनुमति के आधार पर गेहूँ के निर्यात की अनुमति प्रदान की जाएगी। इसके अलावा अन्य देशों के अनुरोध पर भी सरकार निर्यात की अनुमति देगी।”

आज़म खान को जमानत

नई दिल्ली, 19 मई (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने सपा नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री आज़म खान को अंतरिम जमानत की अर्जी गुरुवार को स्वीकार कर ली। न्यायमूर्ति एल. नागेश्वर राव, न्यायमूर्ति वी. आर. गवयी और ए. एस. बोपन्ना की पीठ ने संविधान

- आज़म खान की जमानत भी ऐसे मौके पर हुई है, जब आगामी जुलाई में रामपुर लोकसभा सीट पर उपचुनाव होने वाला है।

के अनुच्छेद 142 के तहत प्राप्त अपनी अधिकारों का प्रयोग करते हुए अंतरिम जमानत का आदेश पारित करते हुए याचिकाकर्ता पूर्व मंत्री को संबंधित अदालत के समक्ष दो सप्ताह के भीतर नियमित जमानत की अर्जी दाखिल करने की अनुमति दी। शीर्ष अदालत ने 17 मई को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने साइरस मिस्त्री की पुनर्विचार याचिका खारिज की

सुप्रीम कोर्ट ने टाटा संस लिमिटेड के अध्यक्ष पद से हटाने के कंपनी के फैसले को फिर बरकरार रखा

नई दिल्ली, 19 मई (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने साइरस मिस्त्री को टाटा संस लिमिटेड के अध्यक्ष पद से हटाने के टाटा समूह की कार्यवाही को सही ठहराने वाले अपने पिछले साल के एक फैसले पर पुनर्विचार करने से गुरुवार को इनकार कर दिया।

मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमना और न्यायमूर्ति ए. एस. बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी. रामासुब्रह्मण्यन की पीठ ने साइरस मिस्त्री की याचिका खारिज कर दी।

याचिका शाफूजी पल्लेनजी समूह दायर की गई थी, जिसमें शीर्ष अदालत से 26 मार्च 2021 के अपने फैसले पर पुनर्विचार करने की गुहार लगाई गई थी।

- वर्ष 2016 से चल रहा इस विवाद में टाटा समूह को एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने राहत दी है।

उच्चतम न्यायालय ने 2021 में राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एन.सी.एच.ए. टी.) के 18 दिसंबर 2019 के उस फैसले को पलट दिया था, जिसने टाटा संस लिमिटेड के अध्यक्ष के रूप में साइरस मिस्त्री को बहाल करने का आदेश दिया था।

हालांकि, शीर्ष अदालत ने मिस्त्री पर की गई कुछ खास टिप्पणियों को हटाने की उम्मीद गुहार संबंधी एक आवेदन को स्वीकार कर लिया। साइरस मिस्त्री ने उनका टिप्पणियों का विरोध किया था।

वर्ष 2016 से चल रहे इस विवाद में टाटा समूह को एक बार फिर शीर्ष अदालत के फैसले ने राहत दी है। रतन टाटा ने साइरस मिस्त्री को वर्ष 2016 में टाटा संस का अध्यक्ष नियुक्त किया था लेकिन कुछ ही समय बाद रतन टाटा एवं साइरस मिस्त्री के बीच रिश्तों में कुछ खटास आ गई और उन्होंने साइरस मिस्त्री को पद से हटाने का निर्णय लिया।

टोक्यो में क्वॉड नेताओं की सुरक्षा के प्रति जापान आशंकित

राष्ट्रपति बाइडन, प्रधानमंत्री मोदी, प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरीसन और प्रधानमंत्री कीशीदा फूमियो की सुरक्षा में 18 हजार से अधिक जवान तैनात किये जायेंगे

- जापान की राजधानी टोक्यो में क्वॉड नेताओं की 24 मई को बैठक होने वाली है। इस बैठक में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जापान के प्रधानमंत्री फूमियो कीशीदा और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन शामिल होंगे। ऑस्ट्रेलिया में 21 मई को आम चुनाव हैं इसलिए यह साफ नहीं है कि ऑस्ट्रेलिया की ओर से क्वॉड शिखर सम्मेलन में कौन भाग लेगा। इस बीच टोक्यो पुलिस ने कहा है कि, क्वाड नेताओं की कड़ी सुरक्षा को लेकर करीब 18 हजार पुलिस अधिकारियों को टोक्यो में तैनात किया जाएगा।

जापान टाइम्स की एक रिपोर्ट बताती है कि टोक्यो के मेट्रोपॉलिटन एक्सप्रेसवे पर 22 मई से तीन दिनों के लिए यातायात प्रतिबंध लगाया जाएगा। टोक्यो मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग को आशंका है कि, यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बीच तनावपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय वातावरण में हमलों और व्यवधानों का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे में टोक्यो पुलिस ड्रोन का जवाब देने के लिए दंगा पुलिस और सुरक्षा दल भी तैनात करेंगे। क्वॉड मीटिंग की जानकारी देते हुये

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 मई को टोक्यो में क्वाड समिट में शामिल होंगे। यह क्वाड लीडर्स के बीच चौथा पारस्परिक संवाद होगा। ये हिन्द प्रशांत क्षेत्र और परस्पर हित के दूसरे विश्व युद्धों पर विचार साझा करने का अच्छा अवसर होगा।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जापान के बिजनेस लीडर्स के साथ एक बिजनेस इवेंट में हिस्सा लेंगे। वे जापान में भारतीय समुदाय को भी संबोधित करेंगे और उनके साथ बातचीत करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी की ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक की भी संभावना है। वहीं पैरांग सोनो झील के पास चीन द्वारा

ब्रिज तैयार करने की खबरों पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि, ब्रिज के बारे में रिपोर्ट देखी हैं, ये सैन्य मुद्दा है, इस पर मैं कुछ कह नहीं पाऊंगा, इसे हम अधिकृत क्षेत्र मानते हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि बातचीत चल रही है। एल.ए.सी. के बारे में हमारी लगातार वार्ता होती रहती है। चीन के विदेश मंत्री भी आए थे, हमारी अपेक्षाएं भी उनके आगे रखी गईं। कोशिश रहेगी कि इसे आगे बढ़ाते रहें, बातचीत से समाधान निकालना पड़ेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के मुताबिक, पिछले साल काबुल में सुरक्षा स्थिति के चलते सभी भारतीय कर्मियों को अफगानिस्तान से बाहर निकालना पड़ा।

जी.एस.टी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समर्थन करते हुये, न्यायमूर्ति डी.वाई. चन्द्रचूड की अध्यक्षता वाली बैंच ने कहा कि जी.एस.टी. कार्डसिल की अनुशंसाएं केवल "विश्ववैसावदाक (पर्सुएसिव)" हैं, बाध्यकारी नहीं।" बैंच ने कहा कि जी.एस.टी. कार्डसिल की भूमिका यहीं तक सीमित है कि वह केन्द्र तथा राज्य सरकार को उचित रूप से सलाह दे। बैंच के अन्य दो जज थे- न्यायमूर्ति सूर्यकांत एवं विक्रम नाथ।

फैसले में कहा गया है, "सरकार, सी.जी.एस.टी. एक्ट तथा आई.जी.एस. टी. एक्ट के प्रावधानों के तहत, कानून बनाने के अधिकारों को काम में लेते समय, जी.एस.टी. कार्डसिल की सिफारिशों से बाध्य है। लेकिन इसका यह अर्थ नहीं है कि अनुच्छेद 279ए (4) के आधार पर की गई जी.एस.टी. कार्डसिल की सभी सिफारिशों अंतिमक कानून बनाने के मामले में विधायिका की शक्ति का बाध्य करने वाली हैं।"

सुप्रीम कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दी। किन्तु प्रबंध समिति के एक अधिकारी ने कहा है, "धर्मनिष्ठ लोग वज्र नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि जिस जगह नलों का पानी उपलब्ध है, वह जगह सील कर दी गई है। हमने नमाजियों से निवेदन किया है कि वे मस्जिद आने से पहले अपने घर पर ही वज्र कर लें। वाराणसी की अंबुमन इन्तजामिया मस्जिद की प्रबंध समिति की ओर से प्रस्तुत वरिष्ठ वकील हुजुफा अहमदी ने बैंच से कहा कि उनकी "आशंका केवल यह है कि वज्र खाना के पास वाली एक दीवार को गिराने के लिये कोई अर्जी लगा दी गई है" तथा आगे की कार्यवाही कर रही है।

बैंच ने एडवोकेट विष्णु शंकर जैन, जिन्होंने स्थान का निवेदन किया था, ने कहा कि दूसरे पक्ष द्वारा व्यक्त उदा/आशंका को मद्देनजर रखाते हुये, वे गुरुवार को ट्रायल कोर्ट के समक्ष सुनवाई के लिये दबाव न डालें।

वकील इस सुझाव से सहमत हो गये तथा अदालत ने इसे रिफॉर्ड पर ले लिया तथा ट्रायल कोर्ट को निर्देश दिये कि वह सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व आदेश की कठोरता से अनुपालना करें तथा इस मुकदमें की आगे कोई भी कार्यवाही करने से स्वयं को दूर रखे।

एक बार फिर ताइवान का मुद्दा छेड़ कर चीन को नाराज किया अमेरिका ने

अमेरिका ने कहा कि, ताइवान को डब्ल्यू.एच.ओ. की सदस्यता दी जाये

वॉशिंगटन, 19 मई (वार्ता/स्मृतिक)। अमेरिका ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) को सलाह दी है कि वह आगामी विश्व स्वास्थ्य सभा (डब्ल्यू.एच.ए.) में ताइवान को एक पर्यवेक्षक के तौर पर आमंत्रित करने के मुद्दे पर विचार करें और ताइवान को इसमें शामिल होने वाले अन्य प्रतिभागियों के साथ अपनी विशेषज्ञता जाहिर करने का एक मौका दें। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटीनी ब्लिंकन ने यह जानकारी दी है।

ब्लिंकन ने एक बयान में कहा, हम विश्व स्वास्थ्य संगठन में एक पर्यवेक्षक

के रूप में भाग लेने के लिए ताइवान को आमंत्रित करने और मई में आयोजित होने वाले 75वें डब्ल्यू.एच.ए. में समाधान संबंधित चर्चाओं में ताइवान को अपनी विशेषज्ञता जाहिर करने का मौका दे।

विदेश मंत्री ने कि ताइवान वैश्विक स्वास्थ्य समुदाय का एक सक्षम और जिम्मेदार सदस्य है और इसकी क्षमताएं और इसकी क्षमताएं एवं दृष्टिकोण डब्ल्यू.एच.ए. चर्चाओं की दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा, ताइवान को इससे बाहर रखने का कोई तुक नहीं बनता,